



उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं.
ए-7/ई-1/2025
दिनांक 04.09.2025

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय परीक्षा— 2025

ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि:— 04.09.2025

ऑनलाइन परीक्षा शुल्क बैंक में जमा करने एवं ऑनलाइन आवेदन स्वीकार (Submit) किये जाने की अन्तिम तिथि:— 06.10.2025

ऑनलाइन प्रस्तुत आवेदन में सुधार/संशोधन और शुल्क समाधान (Fee Reconciliation) की अन्तिम तिथि:— 13.10.2025

महत्वपूर्ण

(1) (a) ऑनलाइन आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को O.T.R. पंजीकरण (O.T.R. Registration) कर O.T.R. नम्बर प्राप्त करना अनिवार्य है।
(b) ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने ओटीओआर नम्बर प्राप्त नहीं किया है वे ऑनलाइन आवेदन करने के 72 घंटे पूर्व आयोग की वेबसाइट <https://otr.pariksha.nic.in> से ओटीओआर नम्बर प्राप्त कर सकते हैं।
(c) ओटीओआर नम्बर प्राप्त करने के उपरांत ही आयोग की वेबसाइट <https://uppsc.up.nic.in> पर ऑनलाइन आवेदन सबमिट किया जा सकता है।

(2) अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे ऑनलाइन आवेदन करते समय सभी चरणों (यथा O.T.R., फीस भुगतान, फाइनल सबमिशन, अर्हता से संबंधित संशोधन/त्रुटि सुधार इत्यादि) की सूचनाएं साफट व हार्ड कापी के रूप में भविष्य हेतु संरक्षित करना सुनिश्चित करें।

(3) अभ्यर्थियों को स्पष्ट किया जाता है कि प्रारम्भिक परीक्षा के स्तर पर वे अपने अभिलेख एवं ऑनलाइन आवेदन संबंधी हार्ड कॉपी आयोग को प्रेषित न करें।

(4) अभ्यर्थियों को अपने ऑन-लाइन आवेदन की हार्ड कॉपी के साथ ऑन-लाइन में किये गये समस्त दावों के समर्थन में समस्त अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र की स्व-प्रमाणित प्रतियां आयोग के निर्देशानुसार यथासमय संलग्न कर प्रेषित करना होगा। इस संबंध में आयोग द्वारा पृथक से प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जायेगा।

विशेष सूचना :- (क) आवेदन 'Submit' करने का सम्पूर्ण दायित्व अभ्यर्थी का होगा। बैंक में शुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि तक शुल्क जमा करने के बाद ही आवेदन पत्र स्वीकार किया जायेगा।

(ख) अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अद्यतन सूचनाओं/निर्देशों हेतु आयोग की वेबसाइट का अनवरत अवलोकन करते रहेंगे। O.T.R. के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर और e-mail ID पर भविष्य में सभी सूचनाओं/निर्देश एसएमएस द्वारा अथवा e-mail के माध्यम से प्रेषित किये जायेंगे।

1. आन-लाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक सूचना

यह विज्ञापन आयोग की Website <https://uppsc.up.nic.in> पर उपलब्ध है। आवेदन करने हेतु इस विज्ञापन में O.T.R. BASED APPLICATION system लागू है। अन्य किसी माध्यम से प्रेषित आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। अतएव अभ्यर्थी आन-लाइन आवेदन ही करें।

आन-लाइन आवेदन करने के सम्बन्ध में अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे निम्नलिखित निर्देशों को भलीभाँति समझ लें और तदनुसार आवेदन करें:-

आयोग की Website <https://uppsc.up.nic.in> पर “ALL NOTIFICATIONS/ADVERTISEMENTS” अभ्यर्थी द्वारा Click करने पर ON-LINE ADVERTISEMENT स्वतः प्रदर्शित होगा, जिसमें निम्नलिखित तीन भाग हैं:-

- 1- User Instructions
- 2- View Advertisement
- 3- Apply

User Instructions में अभ्यर्थियों को ऑन-लाइन फार्म भरने से सम्बन्धित दिशा-निर्देश दिये गये हैं। अभ्यर्थी इनमें से जिस विज्ञापन को देखना चाहते हैं उसके सामने “View Advertisement” को Click करें। ऐसा करने पर पूरे विज्ञापन के साथ ऑन-लाइन आवेदन की प्रक्रिया से सम्बन्धित Sample Snapshots भी प्रदर्शित होंगे।

‘आन-लाइन आवेदन’ करने का कार्य निम्नांकित चार स्तरों पर किया जायेगा :-

प्रथम चरण :- 'Apply' Click करने पर परीक्षा के सापेक्ष 'Authenticate with O.T.R.' प्रदर्शित होगा तथा 'Authenticate with O.T.R.' पर Click करने के उपरान्त 'Have You Completed your O.T.R. Registration' प्रदर्शित होगा, जिसमें अभ्यर्थी को 'Yes' अथवा 'No' पर Tick करना होगा। अभ्यर्थी यदि :-

(i) **'Yes'** पर Tick करने के पश्चात् **'Go'** बटन पर Click करता है तो 'Enter your O.T.R. Number' प्रदर्शित होगा जिसमें उसे 'O.T.R. Number' भरकर 'Proceed' बटन पर Click करना होगा। 'Proceed' बटन पर Click करने के पश्चात् **'Click here to Authenticate'** प्रदर्शित होगा, जिस पर Click करके रजिस्टर्ड मोबाइल नं०/ई-मेल पर अभ्यर्थी प्राप्त O.T.P. अथवा O.T.R.-पासवर्ड के माध्यम से Authenticate कर सकते हैं। Authentication की प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात् अभ्यर्थी की समस्त व्यक्तिगत सूचनाएं (जैसा कि O.T.R. में भरी गयी हैं) स्वतः प्रदर्शित होगी। अभ्यर्थी को केवल पद के लिए अपेक्षित अनिवार्य अर्हता ही भरनी होगी।

(ii) **'No'** पर Tick करने के पश्चात् **'Go'** बटन पर Click करता है तो:- a. सर्वप्रथम आवेदक को आयोग के ओ.टी.आर. वेब पोर्टल (<https://otr.pariksha.nic.in>) से एकल अवसरीय पंजीकरण संख्या (ओ.टी.आर. नम्बर) प्राप्त करना होगा। b. ओ.टी.आर. नम्बर प्राप्त करने के पश्चात् प्रथम चरण में वर्णित प्रक्रियानुसार अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

द्वितीय चरण:- प्रथम चरण की प्रक्रिया पूरी करने के पश्चात् स्क्रीन पर 'Applicant Dashboard' स्वतः प्रदर्शित होगा। अभ्यर्थी को सम्बन्धित आवेदित पद के सापेक्ष 'Application Part-2' के अन्तर्गत 'Submit Details' पर क्लिक करना होगा जिसके पश्चात् स्क्रीन पर अभ्यर्थी का आवेदन पत्र सहित स्थायी एवं पत्र व्यवहार का पता OTR से स्वतः प्रदर्शित

होगा एवं साथ ही पद से सम्बन्धित अधिमानी अर्हतायें भी प्रदर्शित होंगी। अभ्यर्थी को विज्ञापित पद के लिए निर्धारित की गयी प्रत्येक अधिमानी अर्हताओं के सम्मुख कालम में Yes या No विकल्प का चुनाव करना होगा।

तृतीय चरण:- द्वितीय चरण की प्रक्रिया पूरी करने के पश्चात् 'Fee Confirmation Window' स्क्रीन पर स्वतः प्रदर्शित होगी जिसके अन्तर्गत 'Proceed for Fee payment' के सम्मुख 'Yes' विकल्प पर क्लिक करने के पश्चात् 'SBI MOPS' का home page प्रदर्शित होगा जिस पर भुगतान के तीन माध्यम (Mode) प्रदर्शित होंगे:-

(i) NET BANKING (ii) CARD PAYMENTS (iii) OTHER PAYMENT MODES

उक्त माध्यमों में से किसी एक माध्यम द्वारा निर्धारित शुल्क जमा करने के पश्चात् 'Payment Transaction Slip' प्रदर्शित होगी जिसमें शुल्क जमा करने का पूरा विवरण अंकित रहेगा, जिसका प्रिन्ट **प्रिन्टर आइकन** पर क्लिक करके प्राप्त कर लें। 'Payment Failed' होने की स्थिति में अभ्यर्थी 'Candidate Dashboard Login' में जाकर O.T.R. नम्बर भरने के उपरान्त O.T.P. अथवा O.T.R. Password के माध्यम से authenticate कर Login करने के उपरांत 'Pending Payment' पर Click कर ऑनलाइन आवेदन हेतु अनिवार्य रूप से शुल्क भुगतान करें।

नोट:- शुल्क बैंक में जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि व समय तक अभ्यर्थी द्वारा 'ON-LINE APPLICATION' प्रक्रिया में **Payment करना अनिवार्य है। अभ्यर्थी उसका प्रिन्टआउट प्राप्त कर लें और उसे सुरक्षित रखें।**

चतुर्थ चरण- तृतीय चरण की प्रक्रिया पूरी करने के पश्चात् स्क्रीन पर अभ्यर्थी का आवेदन पत्र स्वतः प्रदर्शित होगा जिसका प्रिन्ट अभ्यर्थी प्राप्त कर सकता है। अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन का प्रिन्ट लेकर इसे अपने पास सुरक्षित रखना होगा। किसी विसंगति की दशा में उक्त प्रिन्ट आयोग कार्यालय में अभ्यर्थी को प्रस्तुत करना होगा अन्यथा अभ्यर्थी का अनुरोध/दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा। आवेदनोपरान्त अर्हता में कोई त्रुटि प्राप्त होने की स्थिति में अभ्यर्थी 'Home Page' के 'Candidate Dashboard Login' पर Click कर आवेदित पद की अर्हता में संशोधन करने हेतु निर्धारित अन्तिम तिथि तक केवल एक बार त्रुटि सुधार कर सकते हैं।

विशेष अनुदेश

(1) अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि/संशोधन तिथि तक ही श्रेणी, उपश्रेणी, डोमिसाइल, लिंग, जन्मतिथि, ई.डब्ल्यू.एस., क्रीमीलेयर, नाम व पते का जो दावा किया जाएगा, वही मान्य होगा। अन्तिम तिथि के बाद कोई भी परिवर्तन सम्बन्धी प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं होगा। गलत सूचना प्रस्तुत करने पर अभ्यर्थन निरस्त माना जायेगा।

(2) किसी भी स्तर पर परीक्षोपरांत यदि यह तथ्य प्रकाश में आता है कि अभ्यर्थी द्वारा कोई सूचना छिपाई गई है अथवा गलत भरी गयी है, तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा तथा आयोग के इस परीक्षा व आगामी समस्त चयनों/परीक्षाओं से उसे डिबार (प्रतिवारित) एवं अन्य दण्डात्मक कार्यवाही भी की जा सकती है।

(3) उ०प्र० लोक सेवा आयोग के निर्णय के अनुसार किसी भी अभ्यर्थी को अपने आवेदन पत्र में गलत तथ्यों को, जिनकी प्रमाण पत्र के आधार पर पुष्टि नहीं की जा सकती है, देने पर अथवा अन्य किसी कदाचार पर आयोग के प्रश्नगत् चयन तथा अन्य समस्त परीक्षाओं एवं चयनों से अधिकतम 05 वर्षों तक प्रतिवारित (डिबार) किया जा सकता है।

(4) यदि O.T.R. में उल्लिखित व्यक्तिगत सूचना से सम्बन्धित कोई परिवर्तन किया जाना है तो उस परिवर्तन के पश्चात् **Dashboard पर Synchronise** करना अनिवार्य होगा, अन्यथा परिवर्तन अनुमन्य नहीं होगा। इस सम्बन्ध में त्रुटि सुधार/संशोधन हेतु कोई भी ऑनलाइन/ऑफलाइन प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा। अपूर्ण आवेदन पत्र सरसरी तौर पर निरस्त कर दिया जायेगा और इस सम्बन्ध में कोई भी पत्राचार स्वीकार नहीं किया जायेगा।

(5) जो अभ्यर्थी कालान्तर में विज्ञापन की शर्तों के अनुसार अर्ह नहीं पाये जायेंगे, उनका अभ्यर्थन/चयन निरस्त कर दिया जायेगा। अभ्यर्थियों के अभ्यर्थन/चयन के सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

(6) आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप पर न होने पर, आवेदन पत्र में जन्मतिथि का उल्लेख न करने पर, त्रुटिपूर्ण जन्मतिथि अंकित करने पर, अधिवयस्क या अल्पवयस्क होने पर, न्यूनतम शैक्षिक अर्हता धारित न करने पर, आवेदन पत्र प्राप्त किये जाने हेतु निर्धारित अन्तिम तिथि के बाद आवेदन पत्र प्राप्त होने पर तथा आवेदन पत्र के घोषणा पत्र के नीचे हस्ताक्षर न करने पर आवेदन पत्र/अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा तथा इस सम्बन्ध में कोई पत्राचार/प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा।

(7) आयोग अभ्यर्थियों को उनके आवेदन पत्र की सरसरी जांच पर औपबन्धिक प्रवेश दे सकते हैं, किन्तु बाद में किसी भी स्तर पर यह पाये जाने पर कि अभ्यर्थी अर्ह नहीं था अथवा आवेदन पत्र प्रारम्भिक स्तर पर ही स्वीकार करने योग्य नहीं था, उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा और यदि चयनोपरान्त संस्तुत भी कर दिया गया हो तो आयोग द्वारा संस्तुति वापस ले ली जायेगी।

(8) किसी कदाचार, किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाने, अभियोजन/आपराधिक वाद लम्बित होने, दोष सिद्ध होने, एक से अधिक जीवित पति या पत्नी के होने, तथ्यों को गलत प्रस्तुत करने तथा अभ्यर्थन/चयन के सम्बन्ध में सिफारिश करने आदि कृत्यों में लिप्त पाये जाने पर अभ्यर्थन निरस्त करने तथा आयोग के प्रश्नगत चयन व आगामी समस्त परीक्षाओं एवं चयनों से प्रतिवारित (Debar) करने का अधिकार आयोग को होगा।

(9) अभिलेखों के सत्यापन के समय उपस्थित अभ्यर्थियों द्वारा वांछित अभिलेख प्रस्तुत न करने की दशा में इस हेतु मा० आयोग के

निर्णयानुसार निर्धारित अवधि के अन्तर्गत वांछित अभिलेख प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, उक्त निर्धारित अवधि के अन्तर्गत अभ्यर्थी द्वारा वांछित अभिलेख प्रस्तुत न करने की दशा में अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा। मूल अभिलेखों के सत्यापन की निर्धारित तिथि को यदि अभिलेख सत्यापन हेतु कोई अभ्यर्थी उपस्थित नहीं होता है तो यह मानते हुए कि वह प्रश्नगत पद हेतु इच्छुक नहीं है, उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

2. आवेदन शुल्क : ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया में प्रथम एवं द्वितीय चरण की कार्यवाही पूर्ण करने के पश्चात तृतीय चरण में दिये गये निर्देशों के अनुसार श्रेणीवार परीक्षा शुल्क जमा करें। प्रारम्भिक परीक्षा हेतु श्रेणीवार निर्धारित शुल्क निम्नानुसार है :-

- | | |
|--|---|
| (i) अनारक्षित/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/अन्य पिछड़ा वर्ग | — परीक्षा शुल्क रु. 100/— + ऑनलाइन प्रक्रिया शुल्क रु. 25/— योग = रु. 125/— |
| (ii) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति | — परीक्षा शुल्क रु. 40/— + ऑनलाइन प्रक्रिया शुल्क रु. 25/— योग = रु. 65/— |
| (iii) दिव्यांगजन | — परीक्षा शुल्क रु. शून्य + ऑनलाइन प्रक्रिया शुल्क रु. 25/— योग = रु. 25/— |
| (iv) भूतपूर्व सैनिक | — परीक्षा शुल्क रु. 40/— + ऑनलाइन प्रक्रिया शुल्क रु. 25/— योग = रु. 65/— |
| (v) स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित/महिला/कुशल खिलाड़ी | — अपनी मूल श्रेणी के अनुसार |

3. उ०प्र० लोक सेवा आयोग सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुख्य (लिखित) परीक्षा—2025 में प्रवेश के लिए उपयुक्त अभ्यर्थियों का चयन करने हेतु प्रदेश के जिलों के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर एक प्रारम्भिक परीक्षा का आयोजन करेंगे। चयन मुख्य (लिखित) परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर होगा। परीक्षा की तिथि तथा केन्द्र की सूचना अभ्यर्थियों को ई-प्रवेश पत्र के माध्यम से अलग से दी जायेगी।

4. रिक्तियों की संख्या:- वर्तमान में रिक्तियों की संख्या—1253 है। विषयवार/आरक्षणवार रिक्तियों तथा दिव्यांगजन की उपश्रेणियों का विस्तृत विवरण **परिशिष्ट—4** पर उपलब्ध है।

नोट:- रिक्तियों की संख्या परिस्थितियों एवं आवश्यकतानुसार घट/बढ़ सकती है।

पद की प्रकृति:- समूह-‘क’ राजपत्रित।

वेतनमान:- लेवल—10, वेतनमान (न्यूनतम): 57700, वेतनमान (अधिकतम): 182400 UGC Pay Scale (AGP)

5. आरक्षण: उ०प्र० की अनुसूचित जातियों/उ०प्र० की अनुसूचित जनजातियों/ उ०प्र० के अन्य पिछड़े वर्गों/उ०प्र० के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण विद्यमान शासकीय नियमों के अनुसार दिया जायेगा। इसी प्रकार क्षैतिज आरक्षण के अन्तर्गत आने वाली श्रेणियों यथा— उ०प्र० के स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित/महिला अभ्यर्थियों और उ०प्र० के समाज के दिव्यांग अभ्यर्थियों को भी विद्यमान शासकीय नियमों के अनुसार रिक्तियां बनने पर आरक्षण अनुमन्य होगा। उ०प्र० के समाज के दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए शासन द्वारा अधिसूचित (चिन्हित) किये पदों पर आरक्षण अनुमन्य होगा।

नोट:- (1) उ०प्र० के समाज के दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए शासन द्वारा अधिसूचित (चिन्हित) किये गये पदों पर चयन के संबंध में जारी कार्यालय ज्ञाप सं० 5/2022/18/1/2008/47/का-2/2022 दिनांक 18 अप्रैल, 2022 के बिन्दु-5 (अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति) में प्राविधान निम्नानुसार किया गया है— दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए उपयुक्त चिन्हित किये गये पदों में दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्ति को किसी अनारक्षित रिक्ति पर नियुक्ति के लिए प्रतिस्पर्धा करने से मना नहीं किया जा सकता है अर्थात् दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्ति को किसी अनारक्षित रिक्ति पर नियुक्त किया जा सकता है बशर्तें कि पद संगत श्रेणी की दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए चिन्हित किया गया हो।

(2) शासनादेश संख्या—39 रिट/का-2/2019 दिनांक—26 जून, 2019 द्वारा शासनादेश संख्या— 18/1/99/ का-2/2006 दिनांक—09 जनवरी, 2007 के प्रस्तर—4 में दिये गये प्राविधान, “यह भी स्पष्ट किया जाता है कि राज्याधीन लोक सेवाओं और पदों पर सीधी भर्ती के प्रक्रम पर महिलाओं को अनुमन्य उपरोक्त आरक्षण केवल उत्तर प्रदेश की मूल निवासी महिलाओं को ही अनुमन्य है” को रिट याचिका संख्या 11039/2018 विपिन कुमार मौर्या व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य तथा सम्बद्ध 6 अन्य रिट याचिकाओं में मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा दिनांक—16.01.2019 को अधिकारातीत (ULTRA VIRES) घोषित करने सम्बन्धी निर्णय के अनुपालन में शासनादेश दिनांक—09.01.2007 से प्रस्तर—04 को विलोपित किए जाने का निर्णय लिया गया है। उक्त निर्णय शासन द्वारा मा० उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक—16.01.2019 के विरुद्ध दायर विशेष अपील (डी) संख्या 475/2019 में मा० उच्च न्यायालय द्वारा पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

(3) ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के अभ्यर्थियों द्वारा उनकी श्रेणी का प्रमाण—पत्र कार्मिक अनुभाग के कार्यालय—ज्ञाप संख्या—1/2019/4/1/2002/का-2/19 टी. सी.—II, दिनांक 18.02.2019 के अनुरूप आवेदन करने के वर्ष के पूर्व वर्ष का ही मान्य होगा।

(4) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों, दिव्यांगजन तथा भूतपूर्व सैनिक अभ्यर्थियों को, जो उत्तर प्रदेश राज्य के मूल निवासी नहीं हैं, उन्हें आरक्षण/आयु में छूट का लाभ अनुमन्य नहीं है।

(5) उ०प्र० के किसी भी आरक्षित श्रेणी में आने वाले अभ्यर्थी, यदि वे आरक्षण का लाभ चाहते हैं, O.T.R. के सम्बन्धित स्तम्भ में अपनी श्रेणी/उप श्रेणी (एक का एक से अधिक, जो भी हो) अवश्य अंकित करें क्योंकि समस्त व्यक्तिगत सूचनाएं

O.T.R. से स्वतः आवेदन पत्र में प्रदर्शित होगी।

(6) आरक्षण/आयु में छूट का लाभ चाहने वाले अभ्यर्थी संबंधित आरक्षित श्रेणी के समर्थन में इस विस्तृत विज्ञापन के परिशिष्ट-1 पर उपलब्ध निर्धारित प्रारूप पर सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्राप्त कर लें एवं जब उनसे अपेक्षा की जाए तब वे उसे आयोग को प्रस्तुत करें।

(7) एक से अधिक आरक्षित श्रेणी/आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को केवल एक छूट, जो अधिक लाभकारी होगी, दी जायेगी।

(8) महिला अभ्यर्थियों के मामले में पिता पक्ष से निर्गत जाति प्रमाण पत्र ही मान्य होंगे।

(9) अभ्यर्थियों द्वारा प्रारम्भिक परीक्षा में अपने आवेदन में पात्रता तथा आरक्षण का लाभ प्राप्त करने हेतु जिस श्रेणी/उपश्रेणी का दावा किया गया है, उसके समर्थन में समस्त वांछित प्रमाण-पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियाँ आयोग द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है, अन्यथा उनका दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

6. आपात कमीशन प्राप्त/अल्पकालिक कमीशन प्राप्त अधिकारियों की पात्रता शर्तें:- (केवल आयु में छूट हेतु):- आपात कमीशन प्राप्त/अल्पकालिक कमीशन प्राप्त अधिकारी, जो सेना से अवमुक्त नहीं हुये हैं किन्तु जिनकी सैन्य सेवा में वृद्धि पुनर्वास के लिए की गई है, भी इस परीक्षा के लिए शासनादेश संख्या- 22/10/1976 – कार्मिक-2-85, दिनांक 30 जनवरी, 1985 के अनुसार निम्नलिखित शर्तों पर आवेदन कर सकते हैं:-

(अ) ऐसे आवेदकों को थल सेना/नौ सेना/वायु सेना के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि उनकी सेवा में वृद्धि पुनर्वास के लिए की गयी है और उनके विरुद्ध कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही लम्बित नहीं है।

(ब) ऐसे आवेदकों को यथा समय यह लिखित अण्डरटेकिंग प्रस्तुत करनी होगी कि आवेदित पद के लिये चुन लिये जाने पर वे अपने को सैन्य सेवा से तत्काल अवमुक्त करा लेंगे। आपात/अल्पकालिक कमीशन प्राप्त अधिकारी को यह सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यदि

(क) उसे सेना में स्थायी कमीशन प्राप्त हो गया हो।

(ख) वह त्याग पत्र देकर सेना से अवमुक्त हुआ हो।

(ग) वह सेना से कदाचार अथवा शारीरिक अक्षमता के कारण अथवा स्वयं की प्रार्थना पत्र के आधार पर अवमुक्त हुआ हो और जिसे ग्रेज्यूटी प्रदान की गई हो।

7. वैवाहिक प्रारिथति :- ऐसे विवाहित पुरुष अभ्यर्थी, जिनकी एक से अधिक जीवित पत्नी हो तथा महिला अभ्यर्थी जिन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पहले से ही एक पत्नी हो, पात्र नहीं होंगे, जब तक कि महामहिम राज्यपाल ने उक्त शर्त से छूट प्रदान न कर दी हो।

8. शैक्षिक अर्हताएँ:- वनस्पति विज्ञान, रसायन (Chemistry), वाणिज्य, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी, भूगोल, हिन्दी, इतिहास, गृह विज्ञान, गणित, सैन्य विज्ञान (रक्षा अध्ययन), दर्शनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, भौतिक विज्ञान, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, संस्कृत, समाजशास्त्र, उर्दू, जन्तु विज्ञान (Zoology), सांख्यिकी, कम्प्यूटर साइन्स तथा फारसी (पर्सियन) विधाओं के लिए-

पात्रता (क अथवा ख): क. (i) किसी भारतीय विश्वविद्यालय से सम्बन्धित/संगत/सम्बद्ध विषय में 55 प्रतिशत अंक के साथ निष्णात उपाधि (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली लागू हो वहां प्वाइंट स्केल में समतुल्य ग्रेड) अथवा किसी प्रत्यायित विदेशी विश्वविद्यालय से समतुल्य उपाधि। **नोट:-** किसी प्रत्यायित विदेशी विश्वविद्यालय से समतुल्य निष्णात उपाधि का अर्थ (1) क्वैक्वेरेली सायमंड (क्यूएस) (2) दि टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) अथवा (3) शंघाई जियाओ टोंग यूनिवर्सिटी (शंघाई) के विश्व के विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक रैंकिंग (एआरडब्ल्यू) द्वारा सम्पूर्ण विश्व में विश्वविद्यालय रैंकिंग में विश्व के शीर्षतम 500 रैंक वाले विदेशी विश्वविद्यालय/संस्थान (किसी भी समय) से प्राप्त स्नातकोत्तर उपाधि से है।

(ii) उपर्युक्त अर्हताओं को पूरा करने के साथ-साथ अभ्यर्थी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अथवा सीएसआईआर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) उत्तीर्ण की हो अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रत्यायित किसी इसी प्रकार की परीक्षा यथा एसएलईटी/एसईटी उत्तीर्ण की हो अथवा जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एमफिल/पीएचडी उपाधि के लिए न्यूनतम मानक और प्रक्रिया) विनियम, 2009 अथवा 2016 और समय-समय पर इनमें बाद में किए गए संशोधनों, जैसा भी मामला हो, के अनुसार पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई हो, उन्हीं एनईटी/ एसएलईटी/एसईटी से छूट प्रदान की जाएगी: बशर्ते कि दिनांक 11 जुलाई, 2009 से पूर्व एमफिल/पीएचडी कार्यक्रम के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान करने वाली संस्थाओं के तत्कालीन विद्यमान अध्यादेशों/उपनियमों/विनियमों के उपबन्धों द्वारा अभिशासित होंगे। ऐसे सभी पीएचडी धारक अभ्यर्थियों को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने के अध्यक्षीन विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/संस्थाओं में सहायक आचार्य अथवा समतुल्य पदों पर भर्ती और नियुक्ति के लिए एनईटी/एसएलईटी/ एसईटी की अपेक्षा से छूट प्रदान की जाएगी:- (क) अभ्यर्थी को पीएचडी की उपाधि केवल नियमित पद्धति से प्रदान की गई हो, (ख) पीएचडी शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया गया हो; (ग) पीएचडी के लिए अभ्यर्थी की एक खुली मौखिक परीक्षा आयोजित की गई हो; (घ) अभ्यर्थी ने अपने पीएचडी कार्य से दो अनुसंधान पत्रों को प्रकाशित किया हो, जिनमें से कम से कम एक संदर्भित जर्नल में प्रकाशित हुआ हो; (ङ) अभ्यर्थी ने वि०अ०आ०/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर अथवा ऐसी किसी भी एजेन्सी द्वारा प्रायोजित/वित्तपोषित/सहायता प्राप्त सम्मेलनों/विचार गोष्ठियों में अपने पीएचडी कार्यों के आधार पर कम से कम दो पत्रों को प्रस्तुत किया हो; इन शर्तों को पूरा करने को सम्बन्धित विश्वविद्यालय के कुल सचिव अथवा संकाय अध्यक्ष (शैक्षणिक कार्य) द्वारा सत्यापित किया जाए।

नोट: ऐसी विधाओं में निष्णात कार्यक्रमों के लिए एनईटी/एसएलईटी/एसईटी अर्हता अपेक्षित नहीं होगी जिनमें वि०अ०आ०, सीएसआईआर द्वारा एनईटी/ एसएलईटी/एसईटी अथवा वि०अ०आ० द्वारा प्रत्यायित इसी प्रकार की परीक्षा जैसे एनईटी/ एसएलईटी आदि आयोजित नहीं की जाती है। **अथवा**

ख. (i) क्वैक्वेरेली सायमंड (क्यूएस) (ii) दि टाइम्स हाँयर एजुकेशन (टीएचई) अथवा (iii) शंघाई जियाओ टोंग यूनिवर्सिटी (शंघाई) के विश्व के विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक रैंकिंग (एआरडब्ल्यू) द्वारा सम्पूर्ण विश्व में विश्वविद्यालय रैंकिंग में विश्व के शीर्षतम 500 रैंक वाले विदेशी विश्वविद्यालय/ संस्थान (किसी भी समय) से पीएचडी की उपाधि सम्बन्धित विषय में प्राप्त की गई हो।

चित्रकला (Drawing and Painting), संगीत गायन, संगीत वादन-सितार तथा संगीत वादन-तबला विधाओं के लिए:-

पात्रता (क अथवा ख): क. (i) किसी भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय से सम्बन्धित विषय अथवा किसी समतुल्य उपाधि में कम से कम 55 प्रतिशत अंकों के साथ निष्णात उपाधि (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली लागू हो प्वाइंट स्केल में समतुल्य ग्रेड)। (ii) उपर्युक्त अर्हताओं को पूरा करने के साथ-साथ अभ्यर्थी ने वि०अ०आ० अथवा सीएसआईआर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) उत्तीर्ण की हो अथवा वि०अ०आ० द्वारा प्रत्यायित इसी प्रकार की परीक्षा यथा एसएलईटी/एसईटी उत्तीर्ण की हो अथवा जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एमफिल/पीएचडी उपाधि प्रदान करने के लिए न्यूनतम मानक और प्रक्रिया) विनियम, 2009 अथवा 2016 और समय-समय पर इनमें बाद में किए गए संशोधनों, जैसा भी मामला हो, के अनुरूप पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई हो। बशर्ते आगे कि दिनांक 11 जुलाई, 2009 से पूर्व एमफिल/ पीएचडी कार्यक्रम के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान करने वाली संस्थाओं के तत्कालीन विद्यमान अध्यादेशों/उपनियमों/विनियमों के

उपबन्धों द्वारा अभिशासित होंगे। ऐसे सभी पीएचडी धारक अभ्यर्थियों को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने के अध्यक्षीन विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/ संस्थाओं में सहायक आचार्य अथवा समतुल्य पदों पर भर्ती और नियुक्ति के लिए एनईटी/ एसएलईटी/एसईटी की अपेक्षा से छूट प्रदान की जाएगी:- (क) अभ्यर्थी को पीएचडी की उपाधि केवल नियमित पद्धति से प्रदान की गई हो, (ख) पीएचडी शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया गया हो; (ग) पीएचडी के लिए अभ्यर्थी की एक खुली मौखिक परीक्षा आयोजित की गई हो; (घ) अभ्यर्थी ने अपने पीएचडी कार्य से दो अनुसंधान पत्रों को प्रकाशित किया हो जिनमें से कम से कम एक संदर्भित जर्नल में प्रकाशित हुआ हो; (ङ) अभ्यर्थी ने वि०अ०आ०/आईसीटीटीई/आईसीएसएसआर/ सीएसआईआर अथवा ऐसी की किसी अन्य एजेन्सी द्वारा प्रायोजित/ वित्तपोषित/सहायता प्राप्त सम्मेलनों/विचार गोष्ठियों में अपने पीएचडी कार्यों के आधार पर कम से कम दो पत्रों को प्रस्तुत किए हों;

नोट 1: इन शर्तों को पूरा करने को सम्बन्धित विश्वविद्यालय के कुल सचिव अथवा संकाय अध्यक्ष (शैक्षणिक कार्य) द्वारा अनुप्रमाणित किया जाए।

नोट 2: ऐसी विधाओं में निष्णात कार्यक्रमों के लिए एनईटी/एसएलईटी/एसईटी उत्तीर्ण किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिसके लिए वि०अ०आ०, सीएसआईआर द्वारा एनईटी/ एसएलईटी/एसईटी अथवा वि०अ०आ० द्वारा प्रत्यायित समान परीक्षा (जैसे एसएलईटी/एसईटी) आयोजित नहीं की जाती है। **अथवा**

ख. एक परम्परागत अथवा पेशेवर कलाकार जिसकी सम्बन्धित विधा में अत्यन्त उल्लेखनीय पेशेवर उपलब्धि रही हो और जिन्हें स्नातक की उपाधि प्राप्त हो, जिन्होंने: (i) प्रसिद्ध परम्परागत उस्ताद(दों)/कलाकार(रों) के अधीन अध्ययन किया हो। (ii) वह आकाशवाणी/ दूरदर्शन में 'क' श्रेणी का कलाकार रहा हो; (iii) वह सम्बन्धित विषय में तार्किक तर्कशक्ति के साथ व्याख्या करने की क्षमता रखता हो; और (iv) सम्बन्धित विधा में सोदाहरण सिद्धान्त पढ़ाने के लिए पर्याप्त ज्ञान से सम्पन्न हो।

नोट:- 1. सीधी भर्ती के लिए निष्णात स्तर पर न्यूनतम 55 प्रतिशत (अथवा प्वाइंट स्केल में समतुल्य ग्रेड, जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली का अनुसरण किया जाता है) अनिवार्य योग्यतायें होंगी।

(i) सीधी भर्ती हेतु अर्हता के उद्देश्य और बेहतर शैक्षणिक रिकार्ड के मूल्यांकन के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (अपिव) (असम्पन्न वर्ग)/निशक्त ((क) दृष्टिहीनता अथवा निम्न दृश्यता; (ख) बधिर और कम सुनाई देना; (ग) लोकोमोटर निशक्ता साथ ही सेरेब्रल पालसी, कुष्ठ उपचारित, नाटापन, अन्त्रीय हमले के पीड़ित और मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी; (घ) विचार भ्रम (आटिज्म), बौद्धिक निशक्ता, विशिष्ट अधिगम निशक्ता और मानसिक अस्वस्थता; (ङ) गूंगापन-अंधापन सहित (क) से (घ) के तहत व्यक्तियों में से बहु निशक्ता) से जुड़े अभ्यर्थियों के लिए स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर स्तर पर 5 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। 55 प्रतिशत के पात्रता अंकों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली का अनुसरण किया जाता है) उस स्थिति में किसी प्वाइंट स्केल में समतुल्य ग्रेड) और रियायत अंक प्रक्रिया सहित, यदि कोई हो तो, के आधार पर अर्हता अंक में उपर्युक्त उल्लिखित श्रेणियों के लिए 5 प्रतिशत की छूट अनुमेय है।

2. उन पीएचडी उपाधि धारक अभ्यर्थियों को 5 प्रतिशत (55 प्रतिशत अंक से कम करके 50 प्रतिशत अंक तक) की छूट प्रदान की जाएगी जिन्होंने दिनांक 19 सितम्बर, 1991 से पूर्व निष्णात उपाधि प्राप्त की है।

3. एक संगत ग्रेड जिसे निष्णात स्तर पर 55 प्रतिशत के समरूप माना जाता है, जहां कहीं भी किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर ग्रेडिंग प्रणाली लागू है, को भी वैध माना जाएगा।

शैक्षिक अर्हता के सम्बन्ध में अन्तः सम्बद्ध विषय/समकक्ष विषय :-

क्र.सं.	विषय का नाम	अन्तः सम्बद्ध विषय
1	हिन्दी	भाषा विज्ञान
2	उर्दू	कोई नहीं
3	अंग्रेजी	1- भाषा विज्ञान, 2- अप्लाइड अंग्रेजी
4	संस्कृत	संस्कृत में निष्णात उपाधि/सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय से संस्कृत में आचार्य की उपाधि।
5	कला/चित्रकला/ड्राइंग एवं पेंटिंग	कोई नहीं
6	संगीत (गायन)	कोई नहीं
7	संगीत (सितार/वादन)	कोई नहीं
8	संगीत (तबला)	कोई नहीं
9	इतिहास	1- आधुनिक इतिहास, 2- मध्यकालीन इतिहास 3- प्राचीन इतिहास, 4- पुरातत्व
10	भूगोल	कोई नहीं
11	मनोविज्ञान	कोई नहीं
12	शिक्षाशास्त्र	Master of Education (M.Ed.)
13	दर्शनशास्त्र	कोई नहीं
14	समाजशास्त्र	सोशल वर्क
15	अर्थशास्त्र	व्यवहारिक अर्थशास्त्र
16	राजनीतिशास्त्र	1- लोक प्रशासन, 2- अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध
17	शारीरिक शिक्षा	एम.पी.ए.एड./एम.पी.ई.
18	सैन्य विज्ञान/सैन्य अध्ययन	रक्षा एवं रत्रातजिक अध्ययन
19	गृह विज्ञान	1- फूड एण्ड न्यूट्रीशन, 2- क्लार्थिंग टेक्सटाइल्स, 3- ह्यूमन डेवेलपमेन्ट, 4- फैमिली रिसोर्सस मैनेजमेन्ट
20	वाणिज्य	1-Business administration and management व्यावसायिक प्रशासन एवं प्रबन्ध 2-Accountancy and Business statistics लेखाशास्त्र एवं व्यावसायिक सांख्यिकी 3-Economic administration and Financial management आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबन्ध
21	रसायन विज्ञान	1- व्यावहारिक रसायनशास्त्र/कार्बनिक/अकार्बनिक रसायन, 2- फार्मास्युटिकल
22	वनस्पति विज्ञान	Plant Science, Bio-Technology, Microbiology, Plant Bio-Technology, Biochemistry, Marine Bio-Technology, Genetics, Environmental Science and Life Sciences.
23	प्राणि विज्ञान (Zoology)	Animal Science, Microbiology, Molecular & Human Genetics, Environmental Science, Fisheries and Life Sciences.

24	गणित	कोई नहीं
25	भौतिकी	व्यावहारिक भौतिकी
26	सांख्यिकी	कोई नहीं
27	कम्प्यूटर विज्ञान	कोई नहीं
28	पर्सियन	कोई नहीं

अधिमानी अर्हतायें:- अन्य बातों के समान होने पर ऐसे अभ्यर्थी को सीधी भर्ती के मामले में अधिमान दिया जायेगा, जिसने:-

1. प्रादेशिक सेना में दो वर्ष की न्यूनतम अवधि तक सेवा की हो, या
2. राष्ट्रीय कैडेट कोर का 'बी' प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो,
3. वाद-विवादों, संगोष्ठियों, खेल-कूद और अन्य पाठ्यानुवर्ती कार्यकलापों में उच्च स्तर की प्रवीणता प्रदर्शित की हो जिससे किसी महाविद्यालय में निवेश कार्यक्रमों में गरिमा के साथ भाग लेने की योग्यता प्रकट हो।

उपर्युक्त पदों की संगत सेवा नियमावलियाँ/विनियम

- उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा (समूह-क) सेवा नियमावली, 1985 (यथा संशोधित)
- उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (अध्यापकों की चयन प्रक्रिया) विनियमावली, 2014
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में शिक्षकों एवं अन्य शैक्षिक कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु न्यूनतम अर्हताएं तथा उच्चतर शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु उपाय) संबंधी विनियम, 2018 (यथा संशोधित)

9. आयु सीमा:- (i) अभ्यर्थियों को 01 जुलाई, 2025 को 21 वर्ष की आयु अवश्य पूरी करनी चाहिए और उन्हें 40 वर्ष से अधिक आयु का नहीं होना चाहिए अर्थात् उनका जन्म 02 जुलाई, 1985 से पूर्व तथा 01 जुलाई, 2004 के बाद का नहीं होना चाहिए। दिव्यांगजन हेतु अधिकतम आयु सीमा 55 वर्ष है अर्थात् अभ्यर्थी का जन्म 2 जुलाई, 1970 के पूर्व का नहीं होना चाहिए। **(ii) अधिकतम आयु सीमा में छूट:- (क)** उ०प्र० की अनुसूचित जाति, उ०प्र० की अनुसूचित जन जाति, उ०प्र० के अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों, उ०प्र० राज्य सरकार के कर्मचारियों, उ०प्र० बेसिक शिक्षा परिषदीय शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा उ०प्र० के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों/कर्मचारियों के लिए अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट अनुमन्य होगी अर्थात् उनका जन्म 2 जुलाई, 1980 के पूर्व का नहीं होना चाहिए। **(ख)** उ०प्र० के समाज के दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 15 वर्ष अधिक होगी। **(ग)** उ०प्र० के आपात कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक कमीशन प्राप्त अधिकारियों/भूतपूर्व सैनिकों के लिये अधिकतम आयु सीमा में सेना में की गयी सेवा अवधि +03 वर्ष के बराबर छूट अनुमन्य होगी।

10. मुख्य (लिखित) परीक्षा के संबंध में कतिपय सूचनायें:-

(1) प्रारम्भिक परीक्षा में सफल होने वाले अभ्यर्थी ही मुख्य (लिखित) परीक्षा में सम्मिलित किये जायेंगे, जिसके लिए आयोग के निर्देशानुसार सफल अभ्यर्थियों को पुनः आवेदन करना होगा एवं अनारक्षित (सामान्य) अभ्यर्थियों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों, उ.प्र. के अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों तथा उ.प्र. के बाहर के अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा शुल्क ₹0 200 /- एवं ऑन-लाइन प्रक्रिया शुल्क ₹0 25 /-, योग ₹0 225 /- तथा उ०प्र० के अनुसूचित जाति/ उ०प्र० के अनुसूचित जन जाति के अभ्यर्थियों हेतु परीक्षा शुल्क ₹0 80 /- एवं ऑन-लाइन प्रक्रिया शुल्क ₹0 25 /- योग ₹0 105 /- निर्धारित है। उ०प्र० के दिव्यांग अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा हेतु कोई शुल्क देय नहीं है परन्तु उन्हें ऑन-लाइन प्रक्रिया शुल्क ₹0 25 /- मात्र देना होगा। उ०प्र० के सेना के भूतपूर्व सैनिकों हेतु परीक्षा शुल्क ₹0 80 /- एवं ऑन-लाइन प्रक्रिया शुल्क ₹0 25 /- योग ₹0 105 /- निर्धारित है। उ०प्र० के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित/महिला अभ्यर्थी/उ०प्र० के कुशल खिलाड़ी जिस मूल श्रेणी से संबंधित होंगे उन्हें उसी वर्ग/श्रेणी हेतु शुल्क जमा करना होगा। (2) अभ्यर्थी सावधानीपूर्वक नोट कर लें कि मुख्य परीक्षा में वे उसी अनुक्रमांक पर बैठेंगे जो उन्हें प्रारम्भिक परीक्षा के लिए आवंटित किया गया है। (3) मुख्य परीक्षा हेतु तिथियाँ तथा परीक्षा केन्द्र बाद में आयोग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे, जिनकी सूचना ई-प्रवेश पत्र के माध्यम से दी जायेगी। (4) केन्द्र अथवा राज्य सरकार के अधीन कार्यरत अभ्यर्थियों को अपने सेवायोजक का सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

नोट- मुख्य (लिखित) परीक्षा के आवेदन पत्रों में किये जाने वाले समस्त दावों की पुष्टि में स्वप्रमाणित अंक पत्र/प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। यदि अभ्यर्थी समस्त दावों की पुष्टि में स्वप्रमाणित अंक पत्र/प्रमाण पत्र संलग्न नहीं करते हैं तो उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

11. अभ्यर्थियों के लिये महत्वपूर्ण अनुदेश:-

(1) हाई स्कूल अथवा समकक्ष उत्तीर्ण परीक्षा के प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि ही मान्य होगी। अभ्यर्थी को परीक्षा के आवेदन पत्र के साथ हाई स्कूल अथवा समकक्ष परीक्षा का प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। जन्मतिथि हेतु उक्त प्रमाण पत्र के अतिरिक्त अन्य कोई अभिलेख मान्य नहीं होगा तथा उक्त प्रमाण पत्र संलग्न न करने पर आवेदन पत्र निरस्त कर दिया जायेगा।

(2) मुख्य परीक्षा के आवेदन पत्र के साथ अभ्यर्थी को शैक्षिक योग्यताओं के सम्बन्ध में किये गये दावे की पुष्टि में अंक पत्र, प्रमाण पत्र एवं उपाधि की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करना होगा। दावों की पुष्टि में प्रमाण पत्र/अभिलेख संलग्न न करने पर/प्रमाण पत्र/अंक पत्र स्वप्रमाणित न होने पर आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

(3) समाज के दिव्यांग अभ्यर्थियों को उ०प्र० लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिकों) के लिए आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2021 में उल्लिखित दिव्यांगता से ग्रस्त होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जो सक्षम चिकित्साधिकारी/विशेषज्ञ द्वारा निर्गत एवं मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित हो, प्रस्तुत करने पर शासन द्वारा चिन्हित किये गये पदों पर दिव्यांग की उप श्रेणी के अन्तर्गत ही आरक्षण का लाभ अनुमन्य होगा।

(4) आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि तक भूतपूर्व सैनिकों को सैन्य सेवा से अवमुक्त होना आवश्यक है।

(5) परीक्षा की तिथि, समय तथा केन्द्रों आदि के सम्बन्ध में अनुक्रमांक सहित ई-प्रवेश पत्र के माध्यम से सूचना दी जायेगी। अभ्यर्थियों को आवंटित केन्द्र पर ही परीक्षा देनी होगी। परीक्षा केन्द्र परिवर्तन अनुमन्य नहीं होगा तथा इस सम्बन्ध में कोई भी प्रार्थना पत्र स्वीकार्य नहीं होगा।

(6) कदाशय अर्थात् परीक्षा भवन में नकल करने, अनुशासनहीनता, दुर्यवहार तथा अन्य अवांछनीय कार्य करने पर अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा। इन अनुदेशों की अवहेलना करने पर अभ्यर्थी को इस परीक्षा तथा भविष्य में होने वाली अन्य समस्त परीक्षाओं/चयनों से प्रतिवारित किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा। उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम-2024, दिनांक 06 अगस्त, 2024 के प्राविधान प्रश्नगत परीक्षा में लागू रहेंगे।

(7) आयोग से सभी पत्राचार में परीक्षा का नाम, विज्ञापन संख्या, ओ०टी०आर० नं०, जन्मतिथि, पिता/पति का नाम तथा अनुक्रमांक (यदि दिया गया हो) का उल्लेख अवश्य होना चाहिये।

(8) नियुक्ति हेतु चयनित अभ्यर्थियों को नियमों में अपेक्षित स्वास्थ्य परीक्षण कराना होगा।

(9) प्रारम्भिक परीक्षा के आधार पर मुख्य परीक्षा में प्रवेश हेतु रिक्तियों के 15 गुना

3.

Signature and seal of the Medical Authority.

(Dr.....)

Member

Medical Board

with seal

(Dr.....)

Member

Medical Board

with seal

(Dr.....)

Chairperson

Medical Board

with seal

Signature/thumb impression of the person in whose favour certificate of disability is issued

Countersigned by the Chief Medical Officer (with seal)

Form-III

Certificate of Disability

(In cases of multiple disabilities)

(Name and Address of the Medical Authority/Board issuing the Certificate)

Recent passport size attested photograph (showing face only) of the person with disability

Certificate No.

Date:

This is to certify that we have carefully examined Shri/Smt./Kum. _____ son/wife/daughter of Shri _____ Date of birth (DD/MM/ YY) _____ age _____ years, male/ female _____.

Registration No. _____ permanent resident of House No. _____ Ward/Village/ Street _____ Post Office _____ District _____ State _____, whose photograph is affixed above, and am satisfied that:

(A) he/she is a case of Multiple Disability. His/her extent of permanent physical impairment/disability has been evaluated as per guidelines (.....number and date of issue of the guidelines to be specified) for the disabilities ticked below, and is shown against the relevant disability in the table below:

S. N.	Disability	Affected part of body	Diagnosis	Permanent physical impairment/ mental disability (in%)
1.	Locomotor disability	@		
2.	Muscular Dystrophy			
3.	Leprosy cured			
4.	Dwarfism			
5.	Cerebral Palsy			
6.	Acid attack Victim			
7.	Low Vision	#		
8.	Blindness	#		
9.	Deaf	£		
10.	Hard of Hearing	£		
11.	Speech and Language disability			
12.	Intellectual Disability			
13.	Specific Learning Disability			
14.	Autism Spectrum Disorder			
15.	Mental illness			
16.	Chronic Neurological Conditions			
17.	Multiple sclerosis			
18.	Parkinson's disease			
19.	Haemophilia			
20.	Thalassemia			
21.	Sickle Cell disease			

(B) In the light of the above, his/her over all permanent physical impairment as per guidelines (.....number and date of issue of the guidelines to be specified), is as follows:-

In figures.....percent.

In words.....percent

2. This condition is progressive/non-progressive/likely to improve/not likely to improve.

3. Reassessment of disability is:-

(i) not necessary, or

(ii) is recommended/ after..... years..... months, and therefore this certificate shall be valid till (DD) (MM) (YY)

@ - e.g. Left/right/both arms/legs

- e.g. Single eye

£ - e.g. Left/Right/both ears

4. The applicant has submitted the following document as proof of residence:-

Nature of Document	Date of Issue	Details of authority Issuing certificate
5. Signature and seal of the Medical Authority.		
Name and Seal of Member	Name and Seal of Member	Name and Seal of the Chairperson
Signature/thumb impression of the person in whose favour certificate of disability is issued	Countersigned by the Chief Medical Officer (with seal)	

Form-IV

Certificate of Disability

(In cases of other than those mentioned in Forms II and III)

(Name and Address of the Medical Authority/Board issuing the Certificate)

Recent passport size attested photograph (showing face only) of the person with disability

Certificate No.

Date:

This is to certify that we have carefully examined Shri/Smt./Kum. _____ son/wife/daughter of Shri _____ Date of birth (DD/MM/ YY) _____ age _____ years, male/ female _____.

Registration No. _____ permanent resident of House No. _____ Ward/Village/ Street _____ Post Office _____ District _____ State _____, whose photograph is affixed above, and am satisfied that he/she is a case of _____ Disability. His/her extent of percentage physical impairment/disability has been evaluated as per guidelines (.....number and date of issue of the guidelines to be specified) and is shown against the relevant disability in the table below:

S. N.	Disability	Affected part of body	Diagnosis	Permanent physical impairment/ mental disability (in%)
1.	Locomotor disability	@		
2.	Muscular Dystrophy			
3.	Leprosy cured			
4.	Cerebral Palsy			
5.	Acid attack Victim			
6.	Low Vision	#		
7.	Deaf	£		
8.	Hard of Hearing	£		
9.	Speech and Language disability			
10.	Intellectual Disability			
11.	Specific Learning Disability			
12.	Autism Spectrum Disorder			
13.	Mental illness			
14.	Chronic Neurological Conditions			
15.	Multiple sclerosis			
16.	Parkinson's disease			
17.	Haemophilia			
18.	Thalassemia			
19.	Sickle Cell disease			

(Please strike out the disabilities which is not applicable)

2. The above condition is progressive/non-progressive/likely to improve/not likely to improve.

3. Reassessment of disability is:-

(i) not necessary, or

(ii) is recommended/after.....years..... months, and therefore this certificate shall be valid till.... (DD) (MM) (YY)

@ - e.g. Left/right/both arms/legs

- e.g. Single eye/both eyes

£ - e.g. Left/Right/both ears

4. Signature and seal of the Medical Authority.

Name and Seal of Member	Name and Seal of Member	Name and Seal of the Chairperson
Signature/thumb impression of the person in whose favour certificate of disability is issued	Countersigned by the Chief Medical Officer (with seal)	

उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों और भूतपूर्व सैनिकों के लिये आरक्षण), अधिनियम, 1993 (यथासंशोधित) के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित के प्रमाण-पत्र का प्रपत्र ।

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/ श्रीमती _____ निवासी _____ ग्राम- _____ नगर- _____ जिला- _____

उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों और भूतपूर्व सैनिकों के लिये आरक्षण) अधिनियम, 1993 के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं और श्री/ श्रीमती/ कुमारी (आश्रित) _____ पुत्र/ पुत्री/ पौत्र (पुत्र का पुत्र या पुत्री का पुत्र) तथा पौत्री (पुत्र की पुत्री या पुत्री की पुत्री) (विवाहित अथवा अविवाहित) उपरांतिक अधिनियम, 1993 (यथासंशोधित) के प्राविधानों के अनुसार उक्त श्री/ श्रीमती (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी) _____ के आश्रित हैं ।

स्थान: _____ हस्ताक्षर _____

दिनांक: _____ पूरा नाम _____ पदनाम _____ मुहर _____ जिलाधिकारी (सील)

कुशल खिलाड़ियों के लिये प्रमाण-पत्र जो उ.प्र. के मूल निवासी हैं

शासनादेश संख्या-22 / 21 / 1983-कार्मिक-2 दिनांक 28 नवम्बर, 1985

प्रमाण-पत्र के फार्म - 1 से 4

प्रारूप -1

(मान्यता प्राप्त क्रीड़ा/खेल में अपने देश की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी के लिये)

सम्बन्धित खेल की राष्ट्रीय फेडरेशन/राष्ट्रीय एसोसिएशन का नाम _____

राज्य सरकार की सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए कुशल खिलाड़ियों के लिए प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/ श्रीमती/ कुमारी _____ आत्मज/ पत्नी/ आत्मजा श्री _____ निवासी _____ ने दिनांक _____ से दिनांक _____ तक _____ (स्थान का नाम) में आयोजित _____ (क्रीड़ा/खेल-कूद का नाम) की प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में देश की ओर से भाग लिया ।

उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में _____ स्थान प्राप्त किया गया ।

यह प्रमाण-पत्र राष्ट्रीय फेडरेशन/राष्ट्रीय एसोसिएशन/ (यहाँ संस्था का नाम दिया जाये) _____ में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है ।

स्थान _____ हस्ताक्षर _____

दिनांक _____ नाम _____ पद _____ संस्था का नाम _____ मुहर _____

नोट : यह प्रमाण-पत्र नेशनल फेडरेशन/नेशनल एसोसिएशन के सचिव द्वारा व्यक्तिगत रूप से किये गये हस्ताक्षर होने पर ही मान्य होगा ।

प्रारूप - 2

(मान्यता प्राप्त क्रीड़ा/खेल में अपने प्रदेश की ओर से राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी के लिये)

सम्बन्धित खेल की प्रदेशीय एसोसिएशन का नाम _____ राज्य सरकार की सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए कुशल खिलाड़ियों के लिए प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/ श्रीमती/ कुमारी _____ आत्मज/ पत्नी/ आत्मजा श्री _____ निवासी (पूरा पता) _____ ने दिनांक _____ से दिनांक _____ तक _____ में (क्रीड़ा/खेल-कूद का नाम) की प्रतियोगिता (टूर्नामेन्ट स्थान का नाम) _____ आयोजित राष्ट्रीय _____ में (क्रीड़ा/खेल-कूद का नाम) की प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में प्रदेश की ओर से भाग लिया ।

उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में _____ स्थान प्राप्त किया गया ।

यह प्रमाण-पत्र _____ (प्रदेशीय संघ का नाम) में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है ।

स्थान _____ हस्ताक्षर _____

दिनांक _____ नाम _____ पद _____ संस्था का नाम _____ मुहर _____

नोट : यह प्रमाण-पत्र प्रदेशीय खेल-कूद संघ के सचिव द्वारा व्यक्तिगत रूप से किये गये हस्ताक्षर होने पर ही मान्य होगा ।

प्रारूप - 3

(मान्यता प्राप्त क्रीड़ा/खेल में अपने विश्वविद्यालय की ओर से अन्तर्विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी के लिये)

विश्वविद्यालय का नाम _____ राज्य स्तर की सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए कुशल खिलाड़ियों के लिए प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/ श्रीमती/ कुमारी _____ आत्मज/ पत्नी/ आत्मजा श्री _____ निवास (पूरा नाम) _____ विश्वविद्यालय की कक्षा _____ के विद्यार्थी ने दिनांक _____ से दिनांक _____ तक _____ (स्थान का नाम) में आयोजित अन्तर्विश्वविद्यालय _____ (क्रीड़ा/ खेल-कूद का नाम) प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में _____ विश्वविद्यालय की ओर से भाग लिया ।

उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में _____ स्थान प्राप्त किया गया ।

यह प्रमाण-पत्र डीन ऑफ स्पोर्ट्स अथवा इंचार्ज खेल कूद _____ विश्वविद्यालय में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है ।

स्थान _____ हस्ताक्षर _____

दिनांक _____ नाम _____ पद _____ संस्था का नाम _____ मुहर _____

नोट : यह प्रमाण-पत्र विश्वविद्यालय के डीन ऑफ स्पोर्ट्स या इंचार्ज खेल-कूद द्वारा व्यक्तिगत रूप से किये गये हस्ताक्षर होने पर ही मान्य होगा ।

प्रारूप - 4

(मान्यता प्राप्त क्रीड़ा/खेल में अपने स्कूल की ओर से राष्ट्रीय खेल-कूद में भाग लेने वाले खिलाड़ी के लिये)

डाइरेक्ट्रेट ऑफ पब्लिक इन्सट्रक्शन्स/निदेशक, शिक्षा, उत्तर प्रदेश _____ राज्य स्तर की सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए कुशल खिलाड़ियों के लिए प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/ श्रीमती/ कुमारी _____ आत्मज/ पत्नी/ आत्मजा श्री _____ निवासी (पूरा पता) _____ में .. स्कूल में कक्षा _____ के विद्यार्थी ने दिनांक _____ से दिनांक _____ तक _____ (स्थान का नाम) में आयोजित स्कूलों के नेशनल गेम्स की _____ (क्रीड़ा/खेल-कूद का नाम) प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में _____ स्कूल की ओर से भाग लिया ।

उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में _____ स्थान प्राप्त किया गया ।

यह प्रमाण-पत्र डाइरेक्ट्रेट ऑफ पब्लिक इन्सट्रक्शन्स/शिक्षा में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है ।

स्थान _____ हस्ताक्षर _____

दिनांक _____ नाम _____ पद _____ संस्था का नाम _____ मुहर _____

नोट : यह प्रमाण-पत्र निदेशक/या अतिरिक्त/संयुक्त या उपनिदेशक डाइरेक्ट्रेट ऑफ पब्लिक इन्सट्रक्शन्स/शिक्षा _____ द्वारा व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर होने पर मान्य होगा ।

Page-4

--

विभिन्न प्रकार के मास स्पेक्ट्रोमेट्री और सतह प्लाज्मा अनुनाद विधियां। D सांख्यिकी पद्धतियाँ – केंद्रीय प्रवृत्ति और फैलाव के उपाय; प्रायिकता बंटन (द्विपद, पोइसन और सामान्य); सैम्पलिंग वितरण पैरामीट्रिक और गैर–पैरामीट्रिक सांख्यिकी के बीच अंतर; कॉन्फिडेंस इंटरवल; त्रुटियां; महत्व के स्तर; रियेशन और सहसंबंध; टी–टेस्ट; भिन्नता का विश्लेषण; X² टेस्ट; मल्टीवेरिएट सांख्यिकी, आदि का मूल परिचय। E रेडियोलेबलिंग तकनीक– जीव विज्ञान में सामान्य रूप से उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के रेडियोआइसोटोप का पता लगाना और मापना, जैविक ऊतकों और कोशिकाओं में रेडियोआइसोटोप का समावेश, रेडियोधर्मी सामग्री की आणविक इमेजिंग, सुरक्षा दिशानिर्देश। F माइक्रोस्कोपिक तकनीक– प्रकाश माइक्रोस्कोपी द्वारा कोशिकाओं और उपकोशिकीय घटकों का दृश्य, विभिन्न सूक्ष्मदर्शी की संकल्प शक्ति, जीवित कोशिकाओं की माइक्रोस्कोपी, स्कैनिंग और ट्रांसमिशन माइक्रोस्कोप, ईएम के लिए विभिन्न निर्धारण और धुंधला तकनीक, ईएम के लिए फ्रीज–ईच और फ्रीजफ्रैक्चर विधियां, माइक्रोस्कोपी में छवि प्रसंस्करण विधियां। G क्षेत्र जीव विज्ञान की विधियां: पौधों की जनसंख्या घनत्व का अनुमान लगाने की विधियां, प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष और दूरस्थ अवलोकनों के माध्यम से पैटर्न, व्यवहार के अध्ययन में सैंपलिंग की विधियां, आवास लक्षण वर्णन: जमीन और रिमोट सेंसिंग विधियां।	इकाई–3 भौतिक रसायन 1. क्वांटम यांत्रिकी के मूल सिद्धान्त, एक बॉक्स में कण (पार्टिकल इन ए बॉक्स) लयबद्ध दोलक और हाइड्रोजन परमाणु। 2. परमाणु संरचना एवं आणविक स्पेक्ट्रोस्कोपी: टर्म सिम्बलस। 3. समूह सिद्धांत का रसायनिक अनुप्रयोग, सिमिट्री एलिमेन्ट, चरित्र तालिका, चयन नियम। 4. रासायनिक ऊष्मागतिकी के नियम, पथ फलन और उनके अनुप्रयोग, मैक्सवेल संबंध, चरण संतुलन, चरण नियम। 5. सांरिण्यकीय ऊष्मागतिकी, बोल्ट्जमैन वितरण, गैसों का गतिज सिद्धान्त, विभाजन फंक्शन। 6. विद्युत रसायन, नर्नस्ट समीकरण, रेडॉक्स प्रणाली, इलेक्ट्रोलाइटिक संचालन कोलराउस नियम और उसका अनुप्रयोग। 7. रासायनिक गतिकी, प्रयोगाश्रित नियम और उनकी ताप पर निर्भरता, स्थिर अवस्था सन्निकट, एंजाइम काइनेटिक्स, सजातीय (समांग) उत्प्रेरण। 8. कोलाइड और सतह: स्थायित्व और गुण, समतापी, विषमांगी उत्प्रेरण। 9. बहुलक रसायन। 10.प्रकाश रसायन। 11.विलयन और सम्बन्धित विशेषतायें। 3. विषय– वाणिज्य इकाई–1 लेखांकन एवं वित्त लेखांकन के मूल सिद्धान्त, संकल्पना और अभ्युपगम; लेखांकन प्रबंध के प्रकृति, क्षेत्र और उद्देश्य, निगमीय लेखांकन: निर्गमन, अंशों की जब्ती और पुन: निर्गमन, कंपनियों का परिसमापन, कम्पनियों का समामेलन और पुनर्गठन; सूत्रधारी कम्पनी लेखें; भारतीय लेखा मानक और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक (आईएफआरएस), हरित लेखांकन, लागत लेखांकन: सीमांत लागत और सम विच्छेद विश्लेषण, मानक लागत, बजटरी नियंत्रण, प्रक्रिया लागत, जीवन चक्र लागत, लक्ष्य लागत, जेआईटी, अनुपात विश्लेषण, कोष प्रवाह और नगदी प्रवाह विश्लेषण, लागत मात्रा लाभ। इकाई–2 सांख्यिकी और अनुसंधान पद्धाति केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापन, अपकिरण का मापन, विषमता मापन, दो चरो का सहचर्य तथा प्रतीयगमन; सहसंबंध का गुणांक; प्रायिकता: प्रायकिता के उपागम, बेज का सिद्धान्त, योगात्मक, गुणात्मक; प्रायिकता वितरण: द्विपद, पॉयसन तथा सामान्य वितरण, शोध: अवधारणा तथा प्रकार, शोध अभिकल्प, डाटा: संग्रह तथा वर्गीकरण, प्रतिचयन तथा अनुमान: अवधारणा, प्रतिचयन की विधियां; मानक त्रुटि, परिकल्पना परीक्षण: जेड–परीक्षण, टी–परीक्षण, अनोवा (एएनओवीए), सामाजिक विज्ञान के लिए सांख्यिकीय पैकेज, (एसपीएसएस), काई वर्ग परीक्षण, रिपोर्ट लेखन। इकाई–3 विपणन संकल्पना और उपागम, विपणन श्रृखला, विपणन मिश्रण, कार्यनीतिपरक विपणन योजना, बाजार खण्डीकरण, उत्पाद निर्णय: संकल्पना, उत्पाद रेखा, उत्पाद मिश्रण निर्णय, उत्पाद जीवन चक्र; नवीन उत्पाद विकास, कीमत संबंधी निर्णय: कीमत निर्धारण को प्रभावित करने वाले कारक, कीमत निर्धारण नीतियां तथा कार्यनीतियां, संवर्धन संबंधी निर्णय: संवर्धन विधियां, विज्ञापन वैयक्तिक, विक्रय प्रचार, विक्रय संवर्धनात्मक साधन और तकनीक, संवर्धन मिश्रण, उपभोक्ता व्यवहार: उपभोक्ता की क़य प्रक्रिया, उपभोक्ता के क़य निर्णय को प्रभावित करने वाले कारक, ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीओआरओएम0), सेवा विपणन, विपणन की नयी प्रवृत्तिया: सामाजिक विपणन, ऑनलाइन विपणन, गवर्नमेंट ई–मार्केटप्लेस (जेम), हरित विपणन, प्रत्यक्ष विपणन, ग्रामीण विपणन। इकाई–4 मानव संसाधन प्रबंधन मानव संसाधन प्रबधन की संकल्पना, भूमिका और कार्य, मानव संसाधन सम्बंधी योजना; भर्ती और चयन, प्रशिक्षण एवं विकास, उत्तराधिकार योजना, प्रतिपूर्ति प्रबंध: जॉब मूल्यांकन, प्रोत्साहन एवं अनुषंगी लाभ, कार्य निष्पादन विधियां, सामूहिक सौदेबाजी और प्रबंध में कामगारों की प्रतिभागिता, व्यक्तित्व: बोध, अभिवृत्ति, मनोवेग, समूह की शक्ति, शक्ति और राजनीति, टकराव और समझौता, तनाव प्रबंध, हरित मानव संसाधन प्रबंध, संगठनात्मक संस्कृति, संगठनात्मक विकास। इकाई–5 व्यावसायिक अर्थशास्त्र व्यावसायिक अर्थशास्त्र की अवधारणा, प्रकृति और महत्व, व्यावसायिक अर्थशास्त्र के सिद्धान्त; मांग विश्लेषण; उत्पादन विश्लेषण, कीमत विश्लेषण, विभिन्न बाजार रूपों के तहत मूल्य निर्धारण; पूर्ण प्रतिस्पर्द्धा, एकाधिकार बाजार, अल्पाधिकार, एकाधिकार, मूल्य विभेद, व्यापार चक्र, मुद्रास्फीति। इकाई–6 व्यवसायिक वातावरण व्यवसायिक वातावरण की प्रकृति और महत्व, तत्व, वातावरण की तकनीकियां, स्कैनिंग और निगरानी, आर्थिक प्रणालियां, सरकारी नीतियां, सामाजिक–सांस्कृतिक वातावरण, निगमों की सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर), नीति आयोग, वैधानिक वातावरण, भारतीय अनुबंध अधिनियम–1872 का संक्षेप में अध्ययन, भारतीय कम्पनी अधिनियम–2013, माल एवं सेवा कर (जीएसटी)। इकाई–7 व्यवसायिक प्रबंधन प्रबंध के सिद्धान्त और कार्य, योजना की अनिवार्यताएं, निर्णय लेने का महत्व और प्रक्रिया, आयोजना की प्रकृति, विभिन्न प्रकार की संगठनात्मक संरचनाएं, जिम्मेदारी और अधिकार: प्रत्यायोजन प्राधिकरण और विकेन्द्रीकरण, प्रबंधनों में नेतृत्व और इसकी भूमिका, प्रकृति, प्रक्रिया और नियंत्रण के प्रकार, प्रभाव नियंत्रण की अनिवार्यता प्रणाली, प्रबंधन में नैतिक मुद्दे, सामाजिक उत्तरदायित्व व्यवसाय, निगमीय सुशासन। इकाई–8 अंकेक्षण अंकेक्षण की अवधारणा, उद्देश्य और वर्गीकरण, अंकेक्षण के मूल सिद्धान्त, स्वतंत्र वित्तीय अंकेक्षण, आंतरिक अंकेक्षण, सम्पतियाँ और देनदारियों का प्रमाणन, सत्यापन और मूल्यांकन, वित्तीय विवरणों का अंकेक्षण, अंकेक्षण रिपोर्ट; अंकेक्षक की नियुक्ति, योग्यता, अधिकार, कर्त्तव्य और उत्तरदायित्व; लागत अंकेक्षण; अंकेक्षण की वर्तमान में प्रवृत्तियां, प्रबंधन अंकेक्षण, ऊर्जास्वित्ता का	परीक्षण, पर्यावरण अंकेक्षण, प्रणाली अंकेक्षण, सुरक्षा अंकेक्षण। इकाई–9 उद्यमिता और लघु व्यवसाय एक उद्यमी के कार्य, प्रकार और गुण, उद्यमिता के मुख्य सिद्धान्त, उद्यमशीलता विकास को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय कारक, भारत में उद्यमिता के विकास में सरकार और अन्य संस्थानों की भूमिका, भारतीय अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भूमिका, भारत में एमएसएमई की समस्याएं, स्टार्ट–अप, कौशल विकास। इकाई–10 संगठनात्मक सिद्धान्त और व्यवहार विकास, संगठनात्मक व्यवहार के मॉडल, व्यक्तित्व, धारणा और सीखना, संव्यवहार विश्लेषण, नेतृत्व के सिद्धान्त और शैलियां, उद्देश्य द्वारा प्रबंधन (एमबीओ), अभिप्रेरण। 4. विषय– शिक्षाशास्त्र इकाई–1 शिक्षा के दार्शनिक और समाजशास्त्रीय आधार अ). दर्शन के भारतीय स्कूल (वैदिक, सांख्य योग, वेदांत और बौद्ध धर्म) शैक्षिक उद्देश्यों और वैध ज्ञान प्राप्त करने के तरीकों के विशेष संदर्भ में। विचारकों का योगदान (स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी तथा पंडित मदन मोहन मालवीय) ब). दर्शन के पश्चिमी स्कूल (आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रकृतिवाद, व्यवहारवाद) और सूचना, ज्ञान और प्रज्ञा के विशेष संदर्भ के साथ शिक्षा में उनका योगदान। स). शैक्षिक एवं सामाजिक संस्थाएँ: सामाजिक संस्थाओं और उनके कार्यों (परिवार, विद्यालय और समाज) की संकल्पना और प्रकार, सामाजिक आंदोलनों की संकल्पना। द). समाजीकरण और शिक्षा, शिक्षा और संस्कृति, शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन, भारतीय संविधान में प्रतिस्थापित राष्ट्रीय मूल्य – समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, स्वतंत्रता, लोकतंत्र, समानता, शिक्षा के विशेष संदर्भ में । इकाई–2 शिक्षा का इतिहास, राजनीति और अर्थशास्त्र अ). शिक्षा के लिए समितियों और आयोगों का योगदान: कोठारी आयोग (1964–66), राष्ट्रीय शिक्षा नीति और पी.ओ.ए. (1986,1992), शिक्षक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (2009), न्यायमूर्ति वर्मा समिति रिपोर्ट (2012), एन.सी.टी.ई. विनियम 2014 ब). भारतीय पारंपरिक ज्ञान के माध्यम से शिक्षा का भारतीयकरण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की विशेषता: दृष्टि, संरचना और स्कूली शिक्षा में परिवर्तन, उच्च शिक्षा की नियामक प्रणाली को बदलना। स). शिक्षा के अर्थशास्त्र की अवधारणा, शैक्षिक वित्त की अवधारणा; सूक्ष्म और वृहद स्तरों पर शैक्षिक वित्तपोषण, बजट और वित्तपोषण की अवधारणा, सभी के लिए सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। इकाई–3 शिक्षार्थी और अधिगम अ). वृद्धि और विकास: अवधारणा और सिद्धांत, संज्ञानात्मक प्रक्रियाएं और संज्ञानात्मक विकास के चरण, व्यक्तित्व: परिभाषाएं और सिद्धांत, मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वच्छता। ब). एकात्मक से एकाधिक तक बुद्धिमत्ता दृष्टिकोण: सामाजिक बुद्धिमत्ता की अवधारणाएं, बहु बुद्धिमत्ता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, स्टर्नबर्ग, गार्डनर, इंटेलिजेंस का सिद्धान्त, समस्या समाधान की अवधारणाएं, आलोचनात्मक चिन्तन, मेटा अनुभूति और रचनात्मकता द्वारा बुद्धिमत्ता सिद्धांत। स). अधिगम सिद्धांत, अधिगम के सिद्धांत: व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक और सामाजिक अधिगम सिद्धांत, सामाजिक अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक, सामाजिक क्षमता, सामाजिक अनुभूति की अवधारणा, सामाजिक संबंधों और समाजीकरण लक्ष्यों को समझना। द). मार्गदर्शन और परामर्श: प्रकृति, सिद्धांत और आवश्यकता, मार्गदर्शन के प्रकार (शैक्षिक, व्यावसायिक, व्यक्तिगत, स्वास्थ्य और सामाजिक, निर्देशात्मक, गैर–निर्देशक और उदार, परामर्श के दृष्टिकोण–संज्ञानात्मक–व्यवहार (अल्बर्ट एलिस– आर.ई.बी.टी.) और मानवतावादी, व्यक्तिकेंद्रित परामर्श (कार्ल रोजर्स) – परामर्श के सिद्धांत (व्यवहारवादी, तर्कसंगत, भावनात्मक और वास्तविकता)। इकाई–4 शिक्षक और शिक्षक शिक्षा अ). शिक्षक शिक्षा का अर्थ, प्रकृति और दायरा; शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के प्रकार, शिक्षक शिक्षा के मॉडल – व्यवहारवादी, योग्यता–आधारित और पूछताछ उन्मुख शिक्षक शिक्षा मॉडल। ब). सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा की संकल्पना, आवश्यकता, उद्देश्य और कार्यक्षेत्र, सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा का संगठन और तरीका, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर (डी.आई.ई.टी., सीमेट, एस.सी.ई.आर.टी. , एन.सी.ई.आर.टी. , एन.सी.टी.ई. और यू.जी.सी.) पर सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा की एजेंसियों और संस्थान, सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम की योजना बनाने में प्रारंभिक विचार (उद्देश्य, अवधि, संसाधन और बजट)। स). पेशे और व्यावसायिकता की अवधारणा, एक पेशे के रूप में शिक्षण, शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता, शिक्षक विकास को प्रभावित करने वाले व्यक्तिगत और प्रासंगिक कारक, गुणवत्ता, शिक्षक शिक्षा में नवाचार। द). NEP (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) 2020 और शिक्षक: शिक्षक और मार्गदर्शन शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (N.P.S.T.), I.T.E.P.: एक नई पहल, 2023 का N.C.F. और शिक्षक, सतत व्यावसायिक विकास (C.P.D.) और करियर प्रबंधन और प्रगति (C.M.P.)। इकाई–5 पाठ्यचर्या अध्ययन अ). पाठ्यचर्या की अवधारणा और सिद्धांत, पाठ्यचर्या योजना का आधार – दार्शनिक आधार (राष्ट्रीय, लोकतांत्रिक), समाजशास्त्रीय आधार (सामाजिक सांस्कृतिक पुनर्निर्माण), मनोवैज्ञानिक आधार (शिक्षार्थी की आवश्यकताएं और रुचियां), राष्ट्रीय स्तर के वैधानिक निकायों की भूमिका – पाठ्यक्रम विकास में यू.जी.सी. , एन.सी.टी.ई. और विश्वविद्यालय। ब). पाठ्यक्रम को बढ़ाने में अनुदेशात्मक प्रणाली, अनुदेशात्मक मीडिया, निर्देशात्मक तकनीक और सामग्री लेन–देन, पाठ्यचर्या के मूल्यांकन के दृष्टिकोण: पाठ्यचर्या और निर्देश के दृष्टिकोण (अकादमिक और योग्यता आधारित दृष्टिकोण)। स). पाठयचर्या परिवर्तन का अर्थ और प्रकार, पाठ्यक्रम परिवर्तन को प्रभावित करने वाले कारक, पाठ्यक्रम परिवर्तन और सुधार में छात्रों, शिक्षकों और शैक्षिक प्रशासकों की भूमिका। इकाई–6 शैक्षिक अनुसंधान
--	--	---

अ). शैक्षिक अनुसंधान का अर्थ और दायरा, अर्थ, विशेषताओं और वैज्ञानिक पद्धति के प्रकार (खोजपूर्ण, व्याख्यात्मक और वर्णनात्मक), अनुसंधान के प्रकार (मौलिक, अनुप्रयुक्त और क्रिया), शैक्षिक अनुसंधान के दृष्टिकोण (मात्रात्मक और गुणात्मक), शैक्षिक अनुसंधान में डिजाइन (वर्णनात्मक, प्रायोगिक और ऐतिहासिक)। ब). चर: अर्थ और चर के प्रकार (स्वतंत्र, आश्रित, बाहरी, हस्तक्षेप करने वाले और मॉडरेटर), परिकल्पना – अवधारणा, स्रोत, प्रकार (अनुसंधान, दिशात्मक, गैर–दिशात्मक, शून्य), परिकल्पना तैयार करना, एक अच्छी परिकल्पना के लक्षण, एक शोध प्रस्ताव लिखने के चरण, नमूना–विशेषताएँ, नमूनाकरण की तकनीक (संभाव्यता और गैर–संभाव्यता नमूनाकरण), अनुसंधान के उपकरण – वैधता, विश्वसनीयता और एक उपकरण का मानकीकरण, उपकरण के प्रकार (रेटिंग स्केल, रवैया पैमाने, प्रश्नावली, योग्यता परीक्षण और उपलब्धि परीक्षण, सूची), अनुसंधान की तकनीक (अवलोकन, साक्षात्कार और प्रोजेक्टिव तकनीक)। स). मापन पैमाने के प्रकार (नाममात्र, क्रमिक, अंतराल और अनुपात), मात्रात्मक डेटा विश्लेषण – वर्णनात्मक डेटा विश्लेषण (केंद्रीय प्रवृत्ति, परिवर्तनशीलता, प्रत्ययी सीमा और डेटा की चित्रमय प्रस्तुति के उपाय), परिकल्पना का परीक्षण (प्रकार I और प्रकार II त्रुटियाँ), महत्व के स्तर, सांख्यिकीय परीक्षण की शक्ति और प्रभाव आकार, पैरामीट्रिक तकनीक, गैर–पैरामीट्रिक तकनीक। द)–गुणात्मक अनुसंधान डिजाइन: ग्राउंडेड थ्योरी डिजाइन (प्रकार, विशेषताएँ, डिजाइन, केस स्टडी (अर्थ, विशेषताएँ, घटक), नृवंशविज्ञान (अर्थ, विशेषताएँ, अंतर्निहित धारणाएँ, मिश्रित विधि डिजाइन: विशेषताएँ, एमएम डिजाइन के प्रकार (त्रिकोणीयता, व्याख्यात्मक और खोजपूर्ण डिजाइन)। इकाई–7 शिक्षाशास्त्र, एंड्रगोजी और मूल्यांकन अ). शिक्षाशास्त्र, शैक्षणिक विश्लेषण–अवधारणा और चरण, महत्वपूर्ण शिक्षाशास्त्र–शिक्षक शिक्षा में अर्थ, आवश्यकता और इसके निहितार्थ, शिक्षा में एंड्रगोजी की अवधारणा: ब). आंकलन दृ अर्थ, प्रकृति, दृष्टिकोण (सीखने के लिए आंकलन, सीखने का आंकलन और सीखने के रूप में आंकलन), प्रदर्शन मूल्यांकन समीक्षा और समग्र विकास के लिए ज्ञान का विश्लेषण (PARAKH)। स). शिक्षा के एंड्रगोजी में मूल्यांकन – इंटरैक्शन विश्लेषण: फ्लैंडर्स इंटरैक्शन विश्लेषण, शिक्षक मूल्यांकन के लिए मानदंड (उत्पाद, प्रक्रिया और प्रेसेज मानदंड, स्वयं और सहकर्मी मूल्यांकन के लिए रूब्रिक्स (अर्थ, निर्माण के चरण)। इकाई–8 प्रौद्योगिकी और शिक्षा अ). एक अनुशासन के रूप में शैक्षिक प्रौद्योगिकी (ई.टी.) की अवधारणा: (सूचना प्रौद्योगिकी, संचार प्रौद्योगिकी और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) और अनुदेशात्मक प्रौद्योगिकी, औपचारिक, अनौपचारिक (खुली और दूरस्थ शिक्षा), अनौपचारिक और समावेशी शिक्षा प्रणालियों में शैक्षिक प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग। ब). शिक्षा में कंप्यूटर का अनुप्रयोग: सी.ए.आई., सी.ए.एल., सी.बी.टी., सी.एम.एल., अवधारणा, ओ.डी.एल.एम. तैयार करने की प्रक्रिया, ई–लर्निंग की अवधारणा, ई–लर्निंग के दृष्टिकोण (ऑफलाइन, ऑनलाइन, सिंक्रोनस, एसिंक्रोनस, ब्लेंडेड लर्निंग, मोबाइल लर्निंग)। स). ई–लर्निंग में उभरते रुझान: सामाजिक शिक्षा (अवधारणा, सीखने के लिए वेब 2.0 टूल का उपयोग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, ब्लॉग, चैट, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, चर्चा मंच), ओपन एजुकेशन रिसोर्सेज (O.E.R.), क्रिएटिव कॉमन, मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एम.ओ.ओ.सी.), ई–शिक्षार्थी और ई–शिक्षक के लिए नैतिक मुद्दे, डिजिटल रिपॉजिटरी और ऑनलाइन लाइब्रेरी, ऑनलाइन और ऑफलाइन मूल्यांकन उपकरण (ऑनलाइन सर्वेक्षण उपकरण या परीक्षण जनरेटर)– अवधारणा और विकास, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल डिवाइड को कम करना, प्रौद्योगिकी के माध्यम से जीवन भर सीखना, शिक्षा में चैट जीपीटी और ए.आई. , प्रौद्योगिकी का समान उपयोग सुनिश्चित करना। इकाई–9 शिक्षा में प्रबंधन, प्रशासन और नेतृत्व अ). शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन– अर्थ, कार्य और महत्व, संस्थागत निर्माण और प्रबंधन, एस.डब्ल्यू.ओ.सी. (S.W.O.C.) विश्लेषण, संगठनात्मक वातावरण। ब). शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व: अर्थ और प्रकृति, नेतृत्व के दृष्टिकोण: विशेषता, परिवर्तनकारी, मूल्य आधारित, सांस्कृतिक, मनोदैहिक और करिश्माई। स). परिवर्तन प्रबंधन: अर्थ, नियोजित परिवर्तन की आवश्यकता, परिवर्तन के तीन–चरण–मॉडल (अनफ्रीजिंग, मूविंग, रीफ्रीजिंग), भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन एजेंसियां: उद्देश्य, कार्य, भूमिकाएं और पहल (राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद [एन.ए.ए.सी.], प्रदर्शन संकेतक, भारतीय गुणवत्ता परिषद [क्यू.सी.आई.], एन.आई.आर.एफ.। इकाई–10 न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा: सभी के लिए सीखना अ). समावेशी शिक्षा: अवधारणा, सिद्धांत और लक्ष्य समूह (विविध शिक्षार्थीय हाशिए वाले समूह और विकलांग), सामाजिक–आर्थिक रूप से वंचित समूह (S.E.D.G.s), विशेष, एकीकृत, समावेशी शिक्षा के बीच अंतर, विकलांग व्यक्ति अधिनियम (1995), विकलांग राष्ट्रीय नीति (2006), राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005), भारतीय पुनर्वास परिषद अधिनियम (1992), लिंग समावेशन निधि, विकलांग व्यक्तियों के अधिकार (आर.पी.डब्ल्यू.डी.) अधिनियम 2016 ब). विकलांगता की अवधारणा, विकलांगता का वर्गीकरण, स्कूल की तैयारी और समावेशन के मॉडल, विविध शिक्षार्थियों के बौद्धिक, शारीरिक और एकाधिक विकलांगताओं के प्रकार, विशेषताओं और शैक्षिक आवश्यकताएं, समावेशन के लिए विविध शिक्षार्थियों की पहचान। स). समावेशी कक्षाओं की योजना और प्रबंधन: बुनियादी ढांचा, मानव संसाधन और अनुदेशात्मक अभ्यास, विविध शिक्षार्थियों के लिए पाठ्यचर्या और पाठ्यचर्या अनुकूलन, विविध शिक्षार्थियों के लिए सहायक और अनुकूली प्रौद्योगिकी: उत्पाद (एड्स और उपकरण) और प्रक्रिया (व्यक्तिगत शिक्षा योजना, उपचारात्मक शिक्षण), माता–पिता, साथियों, पेशेवरों, शिक्षकों, स्कूल की भूमिका। द). समावेशी शिक्षा में बाधाएं और सुविधायें, भारत में समावेशी शिक्षा की वर्तमान स्थिति और नैतिक मुद्दे, भारत में समावेशी शिक्षा के अनुसंधान रुझान। 5. Subject- English Literature (16th Century to 20th Century) Unit-I Forms of Literature, Background to Various Literary Trends and Movements (16th Century to 20th Century) Unit-II Poetry Geofrey Chaucer : Prologue to The can derbury	John Donne : Tales (Modern version) “The Canonization” “A Valedication: Forbidding Morning” “The Ecstasy” “To His Coy Mistress” “Epithalamion” <i>Paradise Lost: Book I</i> <i>The Rape of the Lock(Canto 1 and 2)</i> “<i>The Tyger</i>” “<i>The Lamb</i>” William Wordsworth : “Lines Composed a Few Miles Above Tintern Abbey” “Ode: On Intimations of Immortality from Recollections of Early Childhood” “The Rime of the Ancient Mariner” “Christabel” “Ode on a Grecian Urn, Ode to a Nightingale” “<i>Adonais: An Elegy on the Death of John Keats</i>” “<i>To a skylark</i>” Alfred Lord Tennyson: “The Defence of Lucknow” “Ulysses” “The Lotus-Eaters” “Last Ride Together” “My Last Duchess” “Prospice” Matthew Arnold : “Dover Beach” “Scholar Gypsy” The Waste Land “The Second Coming” “Sailing to Byzantium” “Prayer for my Daughter” “Digging” “Punishment” “In the Memory of W B Yeats” “Musee des Beaux Arts” “The Shield of Achilles” “Church Going” “Poetry of Departures” “The Thought Fox” “Hawk Roosting” Robert Browning : “The Rime of the Ancient Mariner” “Christabel” “Ode on a Grecian Urn, Ode to a Nightingale” “<i>Adonais: An Elegy on the Death of John Keats</i>” “<i>To a skylark</i>” Samuel Taylor Coleridge : “The Rime of the Ancient Mariner” “Christabel” “Ode on a Grecian Urn, Ode to a Nightingale” “<i>Adonais: An Elegy on the Death of John Keats</i>” “<i>To a skylark</i>” John Keats : “The Rime of the Ancient Mariner” “Christabel” “Ode on a Grecian Urn, Ode to a Nightingale” “<i>Adonais: An Elegy on the Death of John Keats</i>” “<i>To a skylark</i>” P. B. Shelley : “The Rime of the Ancient Mariner” “Christabel” “Ode on a Grecian Urn, Ode to a Nightingale” “<i>Adonais: An Elegy on the Death of John Keats</i>” “<i>To a skylark</i>” Seamus Heaney : “The Rime of the Ancient Mariner” “Christabel” “Ode on a Grecian Urn, Ode to a Nightingale” “<i>Adonais: An Elegy on the Death of John Keats</i>” “<i>To a skylark</i>” W H Auden : “The Rime of the Ancient Mariner” “Christabel” “Ode on a Grecian Urn, Ode to a Nightingale” “<i>Adonais: An Elegy on the Death of John Keats</i>” “<i>To a skylark</i>” Philip Larkin : “The Rime of the Ancient Mariner” “Christabel” “Ode on a Grecian Urn, Ode to a Nightingale” “<i>Adonais: An Elegy on the Death of John Keats</i>” “<i>To a skylark</i>” Ted Hughes : “The Rime of the Ancient Mariner” “Christabel” “Ode on a Grecian Urn, Ode to a Nightingale” “<i>Adonais: An Elegy on the Death of John Keats</i>” “<i>To a skylark</i>” Unit-III Drama Christopher Marlowe : Dr. Faustus William Shakespeare : Hamlet Twelfth Night John Webster : Duchess of Malfi Ben Johnson : Volpone Aphra Behn : The Rover Oliver Goldsmith : She Stoops to Conquer G B Shaw : Candida T S Eliot : The Family Reunion Harold Pinter : The Homecoming Samuel Beckett : Waiting for Godot John Osborne : Look Back in Anger Unit-IV Fiction and Prose Henry Fielding : Joseph Andrews Jane Austen : Pride and Prejudice George Eliot : Silas Marner Charles Dickens : Hard Times : For These Times Thomas Hardy : Tess of the D'Urbervilles Joseph Conrad : Heart of Darkness James Joyce : A Portrait of the Artist as a Young Man Virginia Woolf : To the Lighthouse D. H. Lawrence : The Rainbow William Golding : Lord of the Flies Graham Green : The Power and The Glory Francis Bacon : “Of Truth” “Of Studies” “Of Adversity” Joseph Addison : “The Spectator’s Account of Himself” “Sir Roger at Home” Thomas Carlyle : “The Hero as Man of Letters” James Stuart Mill : “On Liberty” Bertrand Russell : “Science and Values” and “Science and War”(from The Impact of Science on Society) Unit-V Linguistics i. Descriptive Linguistics; Generative Linguistics ii. Scope and branches of Linguistics: Socio Linguistics, Psycholinguistics, Pragmatics, Stylistics iii. Language Variations: Direct, Register, Pidgins, Creoles Processes of standardization of Language, Language Typology iv. Major Concepts: Syntagmatic and Paradigmatic, Synchronic and Diachronic, Competence and Performance, Innate Hypothesis v. Approaches, Linguistic Principles and Techniques in Language Teaching vi. Methods of Language Teaching: Grammar Translation	Method, Direct Method, Audio-Lingual Method, Communicative Language Teaching. vii. Teaching of Language Skills: Listening, Speaking, Reading, Writing viii. Error Analysis; Technological Aids in Language , Language Testing. Unit-VI Indian Writing in English Toru Dutta : “The Louts” Rabindranath Tagore : “Thou hast made me Endless” “Leave this Chanting and Singing” “I am like a Remnant of Cloud” Sarojini Naidu : “Song of Radha” , “The Milk Maid” Raja Rao : On the Ganga Ghat and Other Stories Girish Karnad : Nagamandala Salman Rushdie : Midnight’s Children Arundhati Roy : The God of Small Things Anita Desai : The Fire on the Mountain Jayata Mahapatra : “Hunger” “Grandfather” A. K. Ramanujan : “A River” “Another View of Grace” “An Introduction” “The Looking Glass” Unit-VII American Literature Walt Whitman : “When Lilacs Last in the Dooryard Bloom’d” “One’s-Self I Sing” Robert Frost : “Mending Wall” , “After Apple Picking” , “The Gift Outright” Edgar Allen Poe : “The Raven” Arthur Miller : Death of Salesman Herman Melville : Moby Dick Sylvia Plath : “Lady Lazarus” “Daddy” Ernest Hemingway : A Farewell to Arms Tennessee Williams : A Glass Menagerie Langston Hughes “The Negro Speaks of Rivers” “Harlem” Unit-VIII New Literature in English A D Hope : “The Death of the Bird” Patrick White : The Solid Mandala Margaret Atwood : The Blind Assassin Derek Walcott : “A Far Cry from Africa” “Ruins of a Great House” Chinua Achebe : <i>Things Fall Apart</i> V S Naipaul : <i>A House for Mr. Biswas</i> Wole Soyinka : A Dance of the Forest <i>Ngugi wa Thiong’o : “Decolonising the Mind”</i> Unit-IX Women Writing Jean Rhys : Wide Sargasso Sea Charlotte Bronte : Jane Eyer Tony Morrison : Beloved Virginia Woolf : A Room of One’s Own Chimamanda Ngozi Adichie : “We Should All Be Feminists” Partibha Ray : Yajnaseni Charlotte Perkins Women to Men Stetson Gilman : Gwendolyn Brooks : “A Sunset of the City” Adrienne Rich : “Snapshots of a Daughter-in-law” Vinda Nabar : Caste as Woman (Chapter One- Our Women, Their Women) Unit-X Literature in Translation Main Concepts: Source Text; Target Text; Foreignization; Domestication; Equivalence; Skopos Theory; Kinds of Translation Translation, Theory and Practice 1.“Translation Studies” Chapter One of Andre Lefevere’s Translating Literature. 2.“India, England, France: A (Post-) Colonial Translation Triangle by Harish Trivedi. 3.“Translation and Society: The Emergence of a Conceptual Relationship” by Daniel Simeoni. 4.“The Task of Translator” by Walter Benjamin Saadat Hasan Manto : “Toba Tek Singh” Munshi Premchand : The Gift of a Cow Translated by Gordon. C. Roadarmel. Vijay Tendulkar : Silence! The Court is in Session Fakir Mohan Senapati : Six Acers and a Third Gustave Flaubert : Madam Bovary Fyodor Dostoyevsky : Notes from Underground Charles Baudelaire : “The Flowers of Evil”: fleurs du mal Unit-XI Literary Theory and Criticism Bharat Muni : The Natyasastra (Chapter VI and VII) Philip Sidney : An Apology for Poetry Samuel Johnson : “Preface to Shakespeare” Willam Wordsworth “Preface to Lyrical Ballads” S. T. Coleridge : Biographia Literaria Chapters XIII
--	---	--

T.S. Eliot :	“Tradition and the Individual Talent”	(स) भारतीय जनसांख्यिकीय परिदृश्य, भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश ।	भौगोलिक चिंतन
Ferdinand de Saussure :	“Nature of the linguistic sign”	(द) भारत का व्यापार— संरचना व संघटक, भुगतान शेष और नीति ।	ग्रीक, रोमन, अरबी, चीनी और भारतीय विद्वानों के योगदान, भारतीय भूगोल में आधुनिक प्रवृत्तियाँ । मुख्य भूगोलिक परंपराएँ, भूगोलीय अध्ययनों में द्वैतवाद, प्रतिमान् विस्थापन, मात्रात्मक क्रांति, और अवस्थिति विश्लेषण । भौगोलिक दृष्टिकोण (प्रत्यक्षवाद, व्यवहारवाद, मानवतावाद, संरचनावाद और उत्तर-आधुनिकतावाद) ।
Jacques Derrida :	“Structure, sign and play in the discourse of the human sciences”	(य) भारत की भौद्रिक नीति— मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण; एमपीसी ।	इकाई—9
Louis Althusser:	“Ideology and Ideological State Apparatuses”	(र) भारत की राजकोषीय नीति— संरचना एवं नवीन परिवर्तन, नवीनतम केंद्रीय बजटों की विशेषताएं; जीएसटी और भारत; भारत में वित्त आयोग— राजकोषीय संघवाद; 15वां वित्त आयोग व आगे ।	भौगोलिक तकनीकें
Elaine Showalter :	“Feminist criticism in the wilderness”	(ल) स्वच्छ ऊर्जा के लिए भारत में ऊर्जा चुनौतियाँ ।	भौगोलिक आंकड़ों का निरूपण—आरेख और ग्राफ । मानचित्र और उनके तत्व, मानचित्र प्रकार, विषयगत मानचित्रण । आकारमिति विश्लेषण, परिच्छेदिकाएँ, ढाल विश्लेषण ।
Edwar Said :	“Introduction” to Orientalism	(व) भारतीय आर्थिक नीति— आयाम और प्रभाव । भारत में बेरोजगारी, गरीबी और आय की असमानतायें ।	भौगोलिक आंकड़ों का स्रोत और मापन । केंद्रीय प्रवृत्ति, सहसंबंध, समाश्रयण, प्रसार । क्लस्टर विश्लेषण ।
Homi K. Bhabha :	“Introduction : Location of Culture” from The Location of Culture	इकाई—8 आर्थिक विश्लेषण की तकनीकें	प्रतिचयन प्रकार और प्रक्रियाएँ ।
Gayatri C. Spivak :	“Can the Subaltern Speak ?”	(अ) सांख्यिकी तकनीकें — केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप, अपकिरण के माप, विषमता, पृथुशीर्षत्व सरल सहसंबंध और प्रतीयगमन विश्लेषण; सूचकांक— अर्थ, प्रकार, परीक्षण और उपयोग; काल—श्रेणी विश्लेषण—अर्थ, संघटक आदि । प्रायिकता का प्राथमिक सिद्धांत— द्विपद, पॉइसन और प्रसामान्य बंटन, प्रतिचयन विश्लेषण— प्रकार, सार्थकता के परीक्षण, परिकल्पना परीक्षण— बड़े और छोटे प्रतिदर्श जैसे कि t , f , χ<!-- χ --> 2 {\displaystyle t,f,\chi ^{2}} (काई—वर्ग), प्रसरण विश्लेषण ।	सुदूर संवेदन—मूल—भूत सिद्धांत, विद्युतचुंबकीय विकिरण: इसके गुण, अंतःक्रिया, संवेदक, प्लेटफार्म, वियोजन । वायव छायाचित्र और अंकीय प्रतिबिम्ब, तत्व और विवेचन । अंकीय प्रतिबिम्ब प्रक्रमण । ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (GPS) घटक और अनुप्रयोग । भौगोलिक सूचना तंत्र (GIS)— डेटा प्रारूप, डेटाबेस की अवधारणा, स्थानिक और गैर—स्थानिक डेटा, रूपांतरण, संपादन और विश्लेषण । जियोरेफरेंसिंग, जीआईएस संचालन और अनुप्रयोग ।
Richard Kerridge :	“Ecocritical Approaches to Literary Form and Genre”	(ब) गणितीय तकनीकें — समीकरण और समिका; आव्यूहिकी तथा सारणिक—अर्थशास्त्र में उपयोग; अवकलन— सरल और आंशिक, मैक्सिमा और मिनिमा, प्रतिबंधित अनुकूलन और अर्थशास्त्र में उनके उपयोग, समांग फलन और उपयोग, सरल समाकलन एवं उपयोग ।	इकाई—10
6. विषय— अर्थशास्त्र		7. विषय— भूगोल	भारत का भूगोल
इकाई—1 व्यष्टिभावी अर्थशास्त्र		इकाई—1	प्रमुख भौतिक प्रदेश, अपवाह तंत्र, जलवायु के प्रकार और जलवायु प्रदेश, भारतीय मानसून । प्राकृतिक संसाधन: मृदा, वनस्पति, जल, खनिज और समुद्री संसाधन । कृषि (प्रमुख फसलों का उत्पादन, उत्पादकता और उपज), कृषि—जलवायु क्षेत्र और प्रमुख कृषि प्रदेश, खाद्य सुरक्षा । स्वतंत्रता के उपरांत औद्योगिक विकास, औद्योगिक प्रदेश और उनकी विशेषताएं, भारत में औद्योगिक नीतियाँ । परिवहन तंत्र का विकास और प्रतिक्रूप, व्यापार का स्वरूप और आर्थिक गलियारे, भारत में क्षेत्रीय विकास और योजना, भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण का प्रभाव, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, प्रमुख पर्यावरणीय समस्याएँ एवं चुनौतियाँ । जनसांख्यिकीय विशेषताएं: जनसंख्या घनत्व, वृद्धि, वितरण और प्रवासन । सांस्कृतिक विविधता: भाषाएं, धर्म और जातीय समूह । शहरीकरण और प्रमुख शहरी केंद्र । उत्तर प्रदेश का भूगोल ।
(अ) उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धांत— क्रमवाचक, गणनावाचक उपागम, व्यक्त अधिमान का सिद्धान्त, उपभोक्ता व्यवहार, जोखिम तथा अनिश्चितता के अन्तरगत ।		भू—आकृति विज्ञान	
(ब) उत्पादन के सिद्धांत — उत्पादन फलन, अल्पकालीन, दीर्घकालीन, कॉब डगलस उत्पादन फलन, लागत तथा आगम वक्र की अवधारणा, तकनीकी प्रगति — तटस्थ व गैर तटस्थ ।		पृथ्वी की उत्पत्ति, पृथ्वी की आंतरिक संरचना, महाद्वीप और महासागरीय बेसिन निर्माण के सिद्धांत, प्लेट विवर्तनिकी, भूसंचलन, भूकंपीयता, वलन, भ्रंश और ज्वालामुखीयता, चट्टानें, अंतर्जात और बहिर्जात बल, अपक्षय, बृहत् संचलन एवं अपरदन, भू—आकृतिक प्रक्रम और संबंधित भू—आकृतियां, भू—आकृति चक्र (डेविस और पेंक), भू—आकृतिक संकट के कारण और प्रकार ।	
(स) बाजार — फर्म की संस्थिति विभिन्न बाजार दशाओं में ; पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार, एकाधिकारी प्रतियोगिता, द्वयाधिकार, कपट संधि सहित/रहित अल्पाधिकार, बिक्री अधिकतमीकरण मॉडल ।		जलवायु विज्ञान	
(द) उत्पादन के साधनों का कीमत निर्धारण, लगान, मजदूरी, ब्याज तथा लाभ ।		वायुमंडल की संरचना और संयोजन; सूर्यातप, उष्मा बजट, तापमान, वायुमंडलीय दाब और पवनें, वायुमंडलीय स्थिरता और अस्थिरता, वायुमंडलीय परिसंचरण (वायु—राशि, वाताग्र और ऊपरी वायु परिसंचरण, चक्रवात और प्रतिचक्रवात) । विश्व जलवायु और उसका वर्गीकरण, ENSO, मौसमी संकट, जलवायु परिवर्तन: कारण और साक्ष्य, वैश्विक जलवायु पर मानव प्रभाव ।	
(क) कल्याणवादी अर्थशास्त्र— पेरेटो अनुकूलतम, क्षतिपूर्ति सिद्धान्त, ऐरो का असंभाव्यता मॉडल ।		इकाई—2	
(ख) संस्थिति — आंशिक तथा सामान्य, स्थायी तथा अस्थायी ।		समुद्र विज्ञान	
(ग) रैखिक प्रोग्रामन, आगत—निर्गत विश्लेषण ।		महासागरीय नितल उच्चावच, महासागरीय जल: संयोजन, तापमान, घनत्व और लवणता, परिसंचरण, गर्म और ठंडी धाराएँ, लहरें, ज्वार, समुद्र के स्तर में परिवर्तन, महासागरीय निक्षेप और प्रवाल भित्तियाँ । पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में महासागर, महासागरीय प्रदूषण; जलवायु परिवर्तन और महासागरीय पारिस्थितिकी तंत्र । महासागरीय संसाधन, वर्गीकरण, प्रबंधन और उसका संरक्षण ।	
इकाई—2 समष्टिभावी अर्थशास्त्र		इकाई—3	
(अ) राष्ट्रीय आय निर्धारण तथा लेखांकन, सामाजिक लेखांकन विधि, राष्ट्रीय आय की विभिन्न अवधारणायें : सकल घरेलू उत्पाद, सकल मूल्य वर्धन, सकल राष्ट्रीय उत्पाद, निवल राष्ट्रीय उत्पाद इत्यादि ।		समृद्ध विज्ञान	
(ब) रोजगार के सिद्धान्त — क्लासिकी, केन्सीय तथा आधुनिक ।		महासागरीय जल: संयोजन, तापमान, घनत्व और लवणता, परिसंचरण, गर्म और ठंडी धाराएँ, लहरें, ज्वार, समुद्र के स्तर में परिवर्तन, महासागरीय निक्षेप और प्रवाल भित्तियाँ । पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में महासागर, महासागरीय प्रदूषण; जलवायु परिवर्तन और महासागरीय पारिस्थितिकी तंत्र । महासागरीय संसाधन, वर्गीकरण, प्रबंधन और उसका संरक्षण ।	
(स) उपभोग फलन—रैखिक तथा गैर रैखिक, निवेश फलन, गुणक, त्वरक, आय अवधारणायें— सापेक्ष तथा स्थायी ।		इकाई—4	
(द) संवृद्धि मॉडल— हैरड—डोमर, सोलो, मीड, जोन राबिन्सन, फील्डमैन ।		पर्यावरण भूगोल	
(क) व्यापार चक्र— भौद्रिक सिद्धान्त, हिक्स सेम्युलसन तथा केल्डार के सिद्धान्त ।		पर्यावरण और उसके प्रकार, पारिस्थितिक सिद्धांत; मनुष्य—पर्यावरण संबंध । पारिस्थितिकी तंत्र और उसके कार्य, पोषण स्तर, ऊर्जा प्रवाह, भू—रासायनिक चक्र । खाद्य श्रृंखला, खाद्य जाल और पारिस्थितिक पिरामिड, मानव पर्यावरण अंतःक्रिया और प्रभाव, पर्यावरणीय संकट और आपदाएँ, पर्यावरण नीतियां, संधियाँ और कार्यक्रम । सतत विकास लक्ष्य ।	
(ख) समष्टि वितरण के सिद्धान्त— रिकार्डों, मार्क्स, केल्डार, कैलेकी ।		इकाई—5	
इकाई—3 मुद्रा एवं बैंकिंग		जनसंख्या और अधिवास भूगोल	
(अ) संकल्पना एवं अर्थ : प्रत्ययी मुद्रा, साख मुद्रा, उच्च—शक्ति मुद्रा, क्रिप्टो व डिजिटल मुद्रा, मुद्रा की पूर्ति—रेड्डी समिति ।		जनसंख्या भूगोल : विश्व जनसंख्या वितरण (प्रतिरूप और निर्धारक) और वृद्धि (प्रागैतिहासिक से आधुनिक काल तक) । जनांकिकीय संक्रमण, जनसंख्या वृद्धि के सिद्धांत । जनसंख्या संरचना, संयोजन और इसकी विशेषताएं । प्रजनन क्षमता और मृत्यु दर: इसके निर्धारक और विश्व प्रतिरूप । प्रवासन (प्रकार, कारण, परिणाम और मॉडल), जनसंख्या नीतियां ।	
(ब) मुद्रा की मांग : मुद्रा का परिमाण सिद्धांत—फिशर, कैम्ब्रिज प्रत्यागम, पैटिनकिन प्रत्यागम, फ्रीडमैन का परिमाण सिद्धांत, इन्वेंट्री प्रत्यागम, पोर्टफोलियो प्रत्यागम ।		अधिवास भूगोल : ग्रामीण अधिवास; प्रकार, प्रतिरूप, वितरण और समसामयिक चुनौतियाँ । नगरों की उत्पत्ति, विशेषताएँ एवं वर्गीकरण । शहरी प्रणालियाँ (प्रमुख नगर और कोटि आकार नियम), ग्रामीण—नगरीय उपान्त, केंद्रीय स्थान सिद्धांत, शहर की आंतरिक संरचना, बदलते शहरी स्वरूप और उभरती चुनौतियाँ, मेगासिटी और उपनगर की अवधारणा ।	
(स) मुद्र स्फीति—प्रकार, अर्थ व चुनौतियाँ, मुद्रास्फीति के सिद्धांत, संस्थापित, केन्सीय; फिलिप्स वक्र, मुद्रावाद, विवेक पूर्ण प्रत्याशाएं ।		आर्थिक गतिविधियों और क्षेत्रीय विकास का भूगोल	
(द) ब्याजदर—क्लासिकल सिद्धान्त, केन्सीय सिद्धांत, IS-LM वक्र ।		आर्थिक भूगोल : आर्थिक गतिविधियाँ, प्रकार और उनकी गतिशीलता, कारक और उनका स्थान, उपयोग और संरक्षण । संसाधन उपयोग, मुद्दे और चुनौतियाँ ।	
इकाई—4 सार्वजनिक वित्त		कृषि भूगोल : अवधारणाएँ, आधुनिक प्रासंगिकता और समकालीन प्रवृत्तियाँ । फसल प्रदर्शन और प्रमुख तत्व. विश्व की कृषि प्रणालियाँ, कृषि प्रादेशीकरण, भूमि उपयोग योजना, हरित क्रांति और नई चुनौतियाँ ।	
(अ) आर्थिक क्रियाकलापों में सरकार की भूमिका—आवंटन, स्थिरीकरण व वितरण ।		औद्योगिक भूगोल : विनिर्माण गतिविधि—वर्गीकरण, स्थान संबंधी सिद्धांत और मॉडल । औद्योगिक क्षेत्र, औद्योगीकरण और विकास, वैश्वीकरण और नई चुनौतियाँ ।	
(ब) वस्तुओं के प्रकार—सार्वजनिक वस्तुएं, निजी वस्तुएं, मेरिट वस्तुएं । सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत—वैगनर, वाइजमैन—पीकॉक परिकल्पना ।		परिवहन और व्यापार भूगोल : स्थानिक संपर्क, सिद्धांत और मॉडल । संयोजकता और अभिगम्यता के सूचकांक, स्थानिक प्रवाह मॉडल, वैश्वीकरण, उदारीकरण और विव्व व्यापार प्रतिरूप, समस्याएं, अंत: और अंतर—क्षेत्रीय सहयोग की संभावनाएं ।	
(स) सार्वजनिक आय—कर तथा गैर कर आय, करापात, कराघात व कर विवर्तन । सार्वजनिक ऋण—प्रकार तथा प्रभाव ।		प्रादेशिक विकास : प्रदेश—अवधारणाएँ, विशेषताएँ और प्रकार । प्रदेशीय असमानताएँ और क्षेत्रीय विकास के सिद्धांत । क्षेत्रीय असंतुलन और वैश्विक आर्थिक ब्लॉक ।	
(द) राजकोषीय नीति—हीनार्थ प्रबंधन, घाटे के प्रकार—राजकोषीय तथा राजस्व । राजकोषीय संघवाद— क्षैतिज तथा ऊर्ध्वीय असमानता । अद्यतन वित्त आयोग व संस्तुतियां ।		इकाई—6 वृद्धि एवं विकास	
(य) कार्यात्मक वित्त ।		(अ) आर्थिक संवृद्धि, विकास, सतत विकास; विकास मॉडल— नर्क्स, लुईस, हिर्शमैन, रोसेनस्टीन— रोडन, लाईवेनस्टीन, नेल्सन, गुन्नार मिर्डल, रोस्टोव और मार्क्स, अन्तर्जात संवृद्धि मॉडल ।	
इकाई—5 अन्तरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र		(ब) राज्य बनाम बाज़ार, योजना, उद्देश्य, निरूपण और बुनियादी बातें ।	
(अ) अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत— तुलनात्मक लागत, अवसर लागत, हैकसचर ओहलिन, उत्पाद जीवन—चक्र ।		(स) नीति आयोग—कार्य एवं भूमिका; बाज़ार की भूमिका, वैश्वीकरण, उदारीकरण और निजीकरण और भारत; विकास के सूचकांक — जैसे एचडीआई, गरीबी सूचकांक, एमडीपीआई, जीडीआई, आदि ।	
(ब) मुक्त व्यापार बनाम संरक्षण— शिशु उद्योग तर्क, संरक्षण की विधियां, प्रशुल्क व अम्यंश, विदेशी विनिमय नियंत्रण ।		(द) पर्यावरणीय चुनौतियाँ और जलवायु परिवर्तन; धारणीयता वैश्विक विकास लक्ष्य; एसडीजी ।	
(स) व्यापार की शर्तें तथा व्यापार के लाभ, स्थिर विनिमय व अवमूल्यन ।		इकाई—7 भारतीय अर्थव्यवस्था	
(द) भुगतान—संतुलन—भुगतान संतुलन में संस्थिति, सीमा संध का सिद्धांत ।		(अ)भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी विशेषताएं और संरचना; भारत में राष्ट्रीय आय की प्रवृत्तियां, क्षेत्रवार वितरण, प्रति व्यक्ति आय; भारतीय कृषि— संस्थागत, संरचनात्मक और तकनीकी परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा; कृषि में अद्यतन प्रगति ।	
(य) विश्व व्यापार संगठन तथा व्यापार : गैट 1994 ट्रिप्स, गैट्स, अद्यतन मंत्रियों के समूह की संस्तुतियां ।		(ब) भारतीय उद्योग— बदलता परिदृश्य, औद्योगिक नीति, भारत में एमएसएमई, बहुराष्ट्रीय कंपनियों और विदेशी पूंजी की भूमिका ।	

क्षेत्रीय इतिहास का महत्व । शोध कार्यप्रणाली और इतिहास में प्राक्कल्पना । प्रस्तावित शोध का क्षेत्र । स्रोत—आंकड़ों का संग्रह—प्राथमिक / द्वितीयक, मूल तथा पारगमनीय स्रोत । इतिहास शोध में आधुनिक प्रवृत्तियाँ एवं भारतीय इतिहास लेखन । इतिहास में विषय का चयन । थोसिस / शोध प्रबन्ध और निर्दिष्ट कार्य को पूरा करना: योजना, सन्दर्भ ग्रन्थ सूची बनाने की विधि, पाद टिप्पणी, सम्पादन, शोध प्रबन्ध का अन्तिम प्रारूप । साहित्यिक चोरी, बौद्धिक बेईमानी और इतिहास लेखन । ऐतिहासिक लेखन का प्रारम्भ—यूनानी, रोमन एवं गिरजाघर सम्बन्धी इतिहास लेखन । पुनर्जागरण और इतिहास लेखन पर इसका प्रभाव । इतिहास लेखन के नकारात्मक तथा सकारात्मक समर्थक । इतिहास लेखन में बर्लिन क्रान्ति— वी. रांके । इतिहास का मार्क्सवादी दर्शन — वैज्ञानिक भौतिकवाद । इतिहास का चक्रीय सिद्धान्त—औसवाल्ड स्पेंगलर । चुनौती एवं प्रत्युत्तर सिद्धान्त—अर्नोल्ड जोसेफ टॉयनबी । इतिहास में उत्तर—आधुनिकतावाद । जन नैतिकता: परिभाषा एवं महत्व । सर्वसुलभ प्रकाशन: अवधारणा, पहचान, पूर्ववर्ती प्रकाशक और पत्रिकाएं ।

10. विषय—गृह विज्ञान

इकाई—1

मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन

- मानव विकास: परिचय और अवधारणाएँ— विकास के सिद्धांत और अवधारणाएँ, वृद्धि एवं विकास, विकास के सामान्य सिद्धांत, विकासात्मक कार्य, विकास के प्रकार— शारीरिक, मोटर (गव्यात्मक), भाषा, खेल, बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास ।
- प्रसवपूर्व विकास: प्रसवपूर्व विकास के चरण, अनुवांशिक और पर्यावरणीय कारक, मातृ स्थितियां, टेरटोजन और सेराटोजेन, जन्म प्रक्रिया और नवजात शिशु, संवेदी क्षमताएं और सजगताएं (रिफ्लैक्सेस), शिशुओं के विकासात्मक मील के पथ्थर ।
- जीवन काल में विकासात्मक चरण और कार्य: प्रारंभिक बचपन और मध्य बचपन, किशोरावस्था और युवावस्था—विकास को बढ़ावा देने के लिए परिवर्तन, चुनौतियाँ और कार्यक्रम; वयस्कता— विशेषताएँ, प्रारंभिक और मध्य वयस्कता में बदलती भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ; उम्र बढ़ना— शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तन ।
- प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन०ई०पी०) के आलोक में ई०सी०सी०ई० की अवधारणाएं, उद्देश्य, आवश्यकता और दायरा; ई०सी०सी०ई० की मॉटेसरी अवधारणा; ई०सी०सी०ई० के विकास में भारतीय विचारकों का योगदान— गिज्जुभाई बधाका, ताराबाई मोदक, एम.कै. गांधी और रवींद्रनाथ टैगोर; भारत में आई०सी०सी०डब्ल्यू०, एन०सी०ई०आर०टी०, समेकित बाल विकास यूनिसेफ, एन०सी०टी०ई० एवं ई०सी०सी०ई० का योगदान ।
- मानव विकास के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य: पारिस्थितिक सिद्धांत— यूरिक ब्रॉफेन ब्रेनर; मनोगतिक सिद्धांत—फ्रोइड और येरिकसन, लार्निंग सिद्धान्त— पावलोव और स्किनर; सामाजिक शिक्षण सिद्धांत— अल्बर्ट बंडुरा; संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत— जीन पियाजे; संज्ञानात्मक विकास का सामाजिक, सांस्कृतिक सिद्धांत— वायगोत्स्की; नैतिक विकास सिद्धांत— कोहलबर्ग ।
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चे और व्यक्ति: विकलांगता के प्रकार— शारीरिक, बौद्धिक, संवेदी और अधिगम (सीखना); विभिन्न विकलांगताओं की पहचान और मूल्यांकन करने की तकनीकें; विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए विशेष शिक्षा; विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों के लिए शारीरिक और सामाजिक बाधाएँ; विशेष आवश्यकता वाले लोगों और उनके पुनर्वास के लिए कार्यक्रम और नीतियां ।
- मानव विकास में मूल्यांकन तकनीकें: प्रोजेक्टिव तकनीकें; गैर—प्रोजेक्टिव तकनीकें; शिशु विकास के लिए पैमाने— बेले स्केल, ए०पी०जी०ए०आर०, नवजात व्यवहार मूल्यांकन पैमाना ।
- पारिवारिक मुद्दे और दृष्टिकोण: विवाह— अर्थ, विवाह के लिए तत्परता (शारीरिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक आदि); वैवाहिक असामंजस्य और पारिवारिक संबंध; महिलाओं एवं बच्चों के लिए विकासात्मक कार्यक्रम; संकट में परिवार— दहेज, घरेलू हिंसा, संघर्ष और समाधान; जीवन भर मार्गदर्शन और परामर्श— उद्देश्य, सिद्धांत और दृष्टिकोण । लिंग संवेदीकरण और महिला सशक्तिकरण ।

इकाई—2

पोषण विज्ञान

- खाद्य पदार्थ : खाद्य पदार्थों के गुण—भौतिक एवं रासायनिक, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का मूल्यांकन— व्यक्तिपरक (सब्जेक्टिव) एवं वस्तुनिष्ठ (आब्जेक्टिव), खाद्य पदार्थों का ऊर्जा मूल्य, बी०एम०आर०, आर०एम०आर०, ऊर्जा आवश्यकताओं को प्रभावित करने वाले कारक ।
- खाद्य रंगद्रव्य (वर्णक), खाद्य योजक (एडीटिव्स) और भोजन तैयार करने में उनकी भूमिका ।
- संवेदी मूल्यांकन : परिभाषा और प्रकार ।
- खाद्य प्रसंस्करण: खाद्य प्रसंस्करण तकनीक, पोषण मूल्य पर इसका प्रभावय खाना पकाने के विधियां, खाद्य प्रसंस्करण के सिद्धांत और तरीके— सुखाने, सांद्रता (कन्सन्ट्रेशन), फ्रीजिंग, क्रायोजेनिक फ्रीजिंग, किण्वन, विकिरण, डिब्बाबंदी, वि:संकमण (स्टेरीलाइजेशन), पास्चुरीकरण, एच०ए०सी०सी०पी० — परिभाषा, खाद्य उत्पाद प्रसंस्करण के सिद्धांत और अनुप्रयोग ।
- खाद्य विश्लेषण : उत्पादों का नमूनाकरण, पोषक तत्व विश्लेषण, सामान्य विश्लेषणात्मक तकनीक (कैलोरीमीटर, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एलिसा परीक्षण) ।
- खाद्य पैकेजिंग और लेबलिंग: फलों और सब्जियों, मांस, मछली, अंडे, मुर्गी और दूध की प्रसंस्करण और पैकेजिंग तकनीक, खराब होने वाले और न खराब होने वाले खाद्य पदार्थों का भंडारण । पारंपरिक और आधुनिक खाद्य भंडारण के तरीके ।
- खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता: खाद्य पदार्थों से संबंधित सूक्ष्म जीव विज्ञान, सामान्य बीमारियों के लिए जिम्मेदार सूक्ष्मजीव । खाद्य विषाक्त पदार्थ, पोषण विरोधी कारक, रसोई और अस्पतालों में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता । खाद्य संदूषण और बर्बादी के स्रोत— जैविक, रासायनिक और यांत्रिक बर्बादी, खाद्य पदार्थों में मिलावट और पता लगाने के तरीके, खाद्य पदार्थों में विषाक्त पदार्थ ।
- फूड फोर्टिफिकेशन: फूड फोर्टिफिकेशन में कार्यक्रम और नीतियां: कार्यात्मक खाद्य पदार्थों, (फंक्शनल), न्यूट्रास्युटिकल खाद्य पदार्थ ।
- खाद्य मानक, लैजिसलेशन, गुणवत्ता नियंत्रण और निर्धारण, खाद्य कानून और अधिनियम, एफ०एस०एस०ए०आई०, एफ०ए०ओ०, एम०पी०ओ०, एमार्क,

- बी०आई०एस०, एफ०पी०ओ० और अन्य ।
- खाद्य सेवा प्रबंधन: परिप्रेक्ष्य, मेनू योजना, भोजन लागत विश्लेषण, संस्थागत स्तर पर खाद्य सेवा प्रबंधन— अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, सामाजिक और विशेष संस्थान ।

इकाई—3

पोषण एवं आहारशास्त्र

- पोषण: बुनियादी अवधारणाएँ और परिभाषाएँ, पोषक तत्व एवं शारीरिक कार्यों में उनकी भूमिका; संतुलित आहार; स्थूल एवं सूक्ष्म पोषण; पोषक तत्वों की कमी और पोषण की आवश्यकताएं; आहार के प्रकार; खाद्य समूह, संतुलित आहार, खाद्य पिरामिड । EAR, TUL, DRI.
- नैदानिक (क्लीनिकल) एवं चिकित्सीय पोषण : स्वास्थ्य एवं रोग में आहार, कारण, शारीरिक स्थितियाँ, नैदानिक लक्षण, आहार प्रबंधन, मोटापा, मधुमेह मेलेटस, खाद्य एलर्जी और असहिष्णुता (इनटालरेंस) में पोषण चिकित्सा, संक्रामक हेपेटाइटिस, सिरোসिस, उच्च रक्तचाप, कोरोनरी हृदय रोग, गुर्दे की खराबी और गुर्दे की बीमारियों, कैंसर के लिए चिकित्सीय आहार के प्रकार, आहार परामर्श एवं प्रबंधन ।
- जीवन काल में पोषण : गर्भाधान से किशोरावस्था तक शारीरिक परिवर्तन, वृद्धि और विकास, जीवन चक्र के दौरान पर्याप्त पोषण के लिए पोषण संबंधी आवश्यकताएं और आहार संबंधी दिशानिर्देश, पोषण संबंधी सोच (कर्न्सन) ।
- उपापचय की जन्मजात त्रुटियां: फाइटोकेमिकल्स, एंटीऑक्सिडेंट, प्रीबायोटिक्स और प्रोबायोटिक्स ।
- सामुदायिक पोषण : संकल्पना, पोषण एपीडिमियोलॉजी, विभिन्न विधियों द्वारा पोषण संबंधी स्थिति का आकलन ।
- राष्ट्रीय पोषण नीति : विभिन्न पोषण संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम— पी०ई०एम०, विटामिन ए की कमी, एनीमिया, आयोडीन की कमी , पोषण शिक्षा के उद्देश्य एवं सिद्धांत, पोषण मॉनिटरिंग एवं सर्वीलान्स ।
- पोषण शिक्षा: शिक्षा कार्यक्रमों के उद्देश्य, आहार संबंधी परामर्श, आवश्यकताएँ और तकनीकें । खेल पोषण, आपात स्थिति एवं आपदाओं में पोषण ।

इकाई 4

पारिवारिक संसाधन प्रबंधन / संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान

- प्रबंधन : प्रबंधन की अवधारणा और उद्देश्य; पारिवारिक संसाधन प्रबंधन की प्रणाली (सिस्टम), दृष्टिकोण; प्रबंधन प्रक्रिया — चरण (योजना, पर्यवेक्षण, नियंत्रण, आयोजन और मूल्यांकन); प्रबंधन में निर्णय लेने की भूमिका; समय, ऊर्जा, धन और स्थान के प्रबंधन में अनुप्रयोग ।
- संसाधन : वर्गीकरण, संसाधन संरक्षण और संसाधनों का उपयोग; समय प्रबंधन; ऊर्जा प्रबंधन— कार्य सरलीकरण, मुंडेल परिवर्तन के वर्ग, थकान और प्रकार ।
- प्रेरणा एवं कारक : मूल्य— परिभाषा एवं प्रकार; लक्ष्य— परिभाषा एवं प्रकार; मानक— परिभाषा एवं प्रकार, प्रेरणा के सिद्धांत ।
- पारिवारिक वित्त प्रबंधन : पारिवारिक आय, व्यय; बजट और रिकॉर्ड, इनके प्रकार और रखरखाव, पारिवारिक बचत और निवेश; कर निहितार्थ (टैक्स) ।
- इंटीरियर डिजाइनिंग : कला के तत्व, डिजाइन के सिद्धांत, रंग और उसके आयाम, रंग के मनोवैज्ञानिक प्रभाव, रंग योजनाएं; आंतरिक सज्जा में कला और डिजाइन के तत्वों का अनुप्रयोग ।
- आंतरिक सज्जा में साज—सज्जा: पर्दे, फर्श के आवरण, गलीचे और कालीन के प्रकार; कुशन कवर; सहायक परिस्कर (उपकरण) और आंतरिक सज्जा में उनकी भूमिका ।
- आवास और स्थान डिजाइनिंग : आवास की आवश्यकता और महत्व; स्थानों की योजना बनाने के सिद्धांत, घर की योजनाओं के प्रकार, विभिन्न आय समूहों के लिए योजना; भवन निर्माण नियम—मानदंड एवं मानक; आवास और पर्यावरण; निर्माण सामग्री— पर्यावरण पर प्रभाव; इमारतों में ऊर्जा दक्षता; ऊर्जा लेखापरीक्षण ।
- संसाधन के रूप में ऊर्जा : पारंपरिक और गैर—पारंपरिक स्रोत, नवीकरणीय / गैर—नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा प्रबंधन; ऊर्जा संरक्षण ।
- एर्गोनॉमिक्स : कार्य का महत्व, दायरा और प्रकृति; मानवमिति; कार्य की शारीरिक मूल्य /लागत, शारीरिक यांत्रिकी, कार्य स्थानों और फर्नीचर के कार्यात्मक डिजाइन को प्रभावित करने वाले कारक । व्यवसायिक एर्गोनामिक्स के संबंध में पर्यावरणीय कारक ।
- उपभोक्ता: परिभाषा, भूमिकाएँ, अधिकार एवं जिम्मेदारियाँ, उपभोक्ता संरक्षण मंच, मानक; उपभोक्ता व्यवहार और निवारण ।

इकाई—5

वस्त्र विज्ञान

- टेक्सटाइल्स (वस्त्र) की शब्दावली: रेशों का वर्गीकरण: प्राकृतिक और मानव निर्मित रेशे, प्रमुख प्राकृतिक और मानव निर्मित रेशों की विनिर्माण प्रक्रिया, भौतिक और रासायनिक गुण और उनके उपयोग ।
- वस्त्र निर्माण की विभिन्न विधियाँ: बुने हुए (वोवन), निटेड और नान—वोवन कपड़े, उनके गुण और उपयोग । बुनाई के सिद्धांत—बुनियादी (आधारीय) बुनाई (सादा, टवील और साटन), सजावटी / फँसी बुनाई (जैकार्ड, डॉबी, लिनो, डबल क्लाथ, ताना और बाना फिगरिंग, पाइल बुनाई); निटिंग के सिद्धांत और वर्गीकरण ।
- टेक्सटाइल फ़िनिश (परिसज्जा): वर्गीकरण, मुख्य परिसज्जाएं, उद्देश्य एवं उपयोग विधि ।
- सतह सजावट तकनीक: रंगाई और छपाई, रंजकों का वर्गीकरण, रंजकों के प्रकार, रंगाई तकनीक (सोल्यूशन रंगाई, तंतु रंगाई, यार्न रंगाई, कपड़ा रंगाई एवं परिधान रंगाई), रेजिस्ट रंगाई, छपाई की विधियाँ (ब्लॉक, स्क्रീन, स्टेंसिल, रोलर, ट्रांसफर प्रिंटिंग एवं बाटिक) ।
- भारत के पारंपरिक वस्त्र एवं कढ़ाई : बुने हुए (वोवन) वस्त्र, भारत के विभिन्न क्षेत्रों के पेन्टेड, छपें हुये और रंगे वस्त्र तथा फाइबर सामग्री, प्रयुक्त तकनीक, रूपांकन, रंग और डिजाइन के आधार पर उनकी पहचान वाले वस्त्र; भारत के विभिन्न प्रान्तों की कढ़ाई ।
- कपड़ा परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण: महत्व, तंतु, यार्न एवं वस्त्र के परीक्षण की तकनीक, रंग स्थिरता परीक्षण और मानक ।
- टेक्सटाइल पारिस्थितिकी: पर्यावरण अनुकूल वस्त्र, संदूषण और प्रवाह उपचार; प्रतिबंधित रंग; इकोमार्क और इको लेबल्स ।
- वस्त्र और परिधान में नवीन प्रगति (रीसेन्ट तकनीकी), टैक्सटाइल के प्रकार और स्कोप, सस्टेनेबल टेक्सटाइल; अपसाइक्लिंग और रीसाइक्लिंग ।

इकाई—6

परिधान डिजाइन एवं वस्त्र निर्माण

- परिधान निर्माण के सिद्धांत और तकनीक: ड्राफ्टिंग, प्लैट पैटर्न और ड्रेपिंग विधियां; बुनियादी (बेसिक) ब्लॉकों की ग्रेडिंग और परिवर्तन, (अल्टरेशन), परिधान उद्योग में सीएडी कम्प्यूटर द्वारा डिजाइनिंग का उपयोग ।

- एन्थ्रोपोमेट्रिक माप (मानव नीति माप) : महत्व, तकनीक और प्रक्रिया ।
- फैशन : शब्दावली, फैशन चक्र, फैशन के सिद्धांत, फैशन पूर्वानुमान और फैशन प्रवृत्तियों को प्रभावित करने वाले कारक ।
- परिधान निर्माण की प्रक्रिया: शब्दावली, सीम (सीवन) और सीवन फिनिश, परिधान निर्माण की तकनीकें और प्रयुक्त मशीनें । .
- कला के तत्व और डिजाइन के सिद्धांत, परिधान और वस्त्र के क्षेत्र में उनका अनुप्रयोग ।
- परिधान गुणवत्ता परीक्षण : गुणवत्ता मानक और विशिष्टताएं, गुणवत्ता पैरामीटर, वस्त्रों और परिधानों की त्रुटियां (डिफेक्ट) ।
- वस्त्रों की पसंद को प्रभावित करने वाले कारक: विभिन्न आयु समूहों के लिए कपड़ों का चयन, विभिन्न अल्प उपयोगों के लिए वस्त्र का चयन ।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में वस्त्र और परिधान उद्योग की भूमिका और महत्व, कपड़ा और परिधान उद्योग की भूमिका और महत्व, वस्त्र और परिधान उद्योग का वैश्विक परिदृश्य ।

इकाई —7

प्रसार / विस्तार शिक्षा एवं संचार

- विस्तार शिक्षा : भारत में विस्तार शिक्षा, विस्तार प्रणाली का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य । विस्तार शिक्षा, विस्तार कार्यक्रम के उद्देश्य, विस्तार के घटक और विस्तार की बदलती अवधारणाएं, विस्तार शिक्षा का दर्शन ।
- विस्तार विधियाँ : विस्तार शिक्षण विधियों के चरण, शिक्षण सहायक सामग्री— प्रकार, विशेषताएँ और कार्य, विस्तार कार्य में दृश्य—श्रव्य सामग्री की तैयारी एवं प्रभावी उपयोग ।
- कार्यक्रम प्रबंधन: कार्यक्रमों की आवश्यकता, स्थिति विश्लेषण, योजना, संगठन, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन ।
- प्रक्रिया या अधिगम में मीडिया : मीडिया के सिद्धांत और प्रचलित प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रुझान, मीडिया में समसामयिक मुद्दे, मानवाधिकार और मीडिया ।
- विस्तार विकास गतिविधियों के लिए पाठ्यक्रम विकास और योजना; ब्लूम की टैक्सोनीमी के अनुसार शैक्षिक उद्देश्यों और सीखने का वर्गीकरण ।
- सामुदायिक विकास : परिप्रेक्ष्य, दृष्टिकोण, सामुदायिक संगठन, नेतृत्व, सामुदायिक विकास के लिए सहायता संरचनाएं, पंचायती राज संस्थाएं, गैर सरकारी संगठन और समुदाय आधारित संगठन ।
- अनौपचारिक वयस्क शिक्षा : महत्व, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, अवधारणा, सिद्धांत, प्रयुक्त विधियाँ और सामग्री, कार्यान्वयन और मूल्यांकन की चुनौतियाँ । जीवनपर्यंत और सतत शिक्षा के लिए । कार्यक्रम, स्थानीय, राज्य, राष्ट्रीय और आंतरिक एजेंसियां, अनौपचारिक वयस्क शिक्षा की नीति और कार्यक्रम । जीवनपर्यंत शिक्षा का अर्थ एवं संकल्पनाएं एवं इसकी परिभाषाएँ ।
- भारत में शहरी, ग्रामीण और आदिवासी आबादी के लिए विकासात्मक कार्यक्रम शहरी, ग्रामीण महिलाओं के विकास, कौशल विकास, स्वच्छता और बुनियादी ढांचे के लिए पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, मजदूरी और स्वरोजगार के कार्यक्रम ।
- संचार प्रणालियाँ : अवधारणा, प्रकार, कार्य और महत्व, जन संचार के तत्व और विशेषताएं ।
- समुदायों में नेतृत्व की अवधारणा; सामुदायिक विकास में नेतृत्व की भूमिका और जिम्मेदारियाँ ।

इकाई—8

अनुसंधान क्रियाविधि

- अनुसंधान और अनुसंधान डिजाइन : अनुसंधान की परिभाषा और प्रकार, अनुसंधान डिजाइन के प्रकार, अनुसंधान प्रक्रिया, अनुसंधान समस्या की पहचान— चरण, अनुसंधान में नैतिकता, अनुसंधान प्रबंधन तकनीकें— पी०ई० आर०टी०, सी०पी०एम०, एस०डब्ल्यू०ओ०टी० विश्लेषण ।
- नमूनाकरण: नमूनाकरण की परिभाषा और प्रकार, नमूनाकरण और गैर नमूनाकरण त्रुटियां, डेटा संग्रह के उपकरण और तकनीकें, मापने के पैरामीटर, उपकरणों की विश्वसनीयता एवं वैधता ।
- चर (वेरिेबल्स): परिभाषा, वर्गीकरण, चर के प्रकार ।
- सांख्यिकीय उपायों की वैचारिक ज्ञान (समझ): डेटा का वर्गीकरण और सारणीकरण, केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप, भिन्नता के माप ।
- आवृत्ति वितरण: आवृत्ति वितरण तालिकाएँ, तालिकाओं के प्रकार, डेटा का चित्रमय प्रतिनिधित्व ।
- डेटा वितरण: वितरण के प्रकार, सामान्य वितरण, सामान्य संभाव्यता, तालिकाओं का उपयोग ।
- परिकल्पना: परिभाषाएँ, परिकल्पना का वर्गीकरण, परिकल्पना का परीक्षण, महत्व के स्तर ।
- पैरामीट्रिक और गैर पैरामीट्रिक परीक्षण: जेड परीक्षण, टी परीक्षण का अनुप्रयोग, वेरियन्स का विश्लेषण (एनोवा), कार्ई—स्क्वायर (Chi-Square) परीक्षण ।
- संबंधपरक विश्लेषण: सहसंबंध का गुणांक, रैंक सहसंबंध, प्रतिगमन विश्लेषण ।
- वैज्ञानिक लेखन : रिपोर्ट के प्रकार, रिपोर्ट लेखन के चरण ।

11. विषय—गणित

इकाई—1

विश्लेषण: प्राथमिक समुच्चय सिद्धांत, परिमित, गणनीय और अगणनीय समुच्चय, वास्तविक संख्या निकाय पूर्ण क्रमित क्षेत्र के रूप में, आर्किमिडियन गुणधर्म, उच्चतम और न्यूनतम, अनुक्रम और श्रेणियाँ, अभिसरण, उच्चतम सीमा और न्यूनतम सीमा, एक समान अभिसरण । बोल्जानो वायस्ट्रांस प्रमेय, हीने बोरेल प्रमेय, दूरीक (मैट्रिक) समष्टि, सवरंकता, पूर्णता सम्बन्धता । रीमान समाकलन, लेबेग माप, लेबेग समाकलन । मानकीय रैखिक समष्टियाँ, बनावक समष्टि, उदाहरण के रूप में सतत फलनों की समष्टियाँ, विवर्त प्रतिचित्रण प्रमेय, सन्नत लेखाचित्र प्रमेय, हान बनावक प्रमेय, हिलबर्ट समष्टियाँ ।

इकाई—2

कैलकुलस (चलन कलन): सांतत्य फलन, असांतत्य फलनों के प्रकार, एक समान सांतत्य, अवकलनीयता, एकदिष्ट फलन, परिबद्ध विचरण के फलन, माध्यमान प्रमेय, फलनो के अनुक्रम और श्रेणियाँ, दो या अधिक चरो के फलन, दिशात्मक अवकलन, आंशिक अवकलन, संपूर्ण अवकलज, अधिकतम मान और न्यूनतम मान, सैडल बिंदु, लैग्रेंज के गुणकों की विधि, द्विक और त्रिक समाकलन और उनके अनुप्रयोग, अनुचित समाकलन और उनका अभिसरण ।
सदिश चलन कलन: प्रवणता (ग्रेडिएंट), अपसरण और कर्ल, ग्रीन का प्रमेय, स्टोक्स प्रमेय, गाउस—डाइवर्जेंस प्रमेय ।

इकाई—3

बीजगणित: पूर्णांक में विभाजन, अंकगणित का मौलिक प्रमेय, सागतत्य और अवशिष्ट वर्ग, चीनी शेषफल प्रमेय, ऑयलर का ϕ—फलन, फर्मा का प्रमेय, समूह, उपसमूह, विशिष्ट (अभिलंब) उपसमूह, विभाग समूह, समाकारिता

एंजाइम। जीन अभिव्यक्ति का विनियमन (ऑपरेशंस के विभिन्न मॉडल)। आरएनए संश्लेषण और प्रसंस्करण: दीक्षा परिसर का निर्माण, प्रतिलेखन उत्प्रेरक और दमनकर्ता, आरएनए पॉलीमरेज, कैपिंग बढ़ाव और समाप्ति, आरएनए प्रसंस्करण, संपादन, स्प्लिसिंग, पॉलीएडिनाइलेशन। पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग। मानव जीनोम परियोजना। कैंसर: ऑन्कोजीन, ट्यूमर दवाने वाले जीन, कैंसर और कोशिका चक्र, वायरस प्रेरित कैंसर, मेटास्टेसिस। 19. Subject- Computer Science Unit-1 Computer Arithmetic Representation of Integers: Octal, Hex, Decimal, and Binary. 2's complement and 1's complement arithmetic. Floating point representation of numbers. Propositional (Boolean) Logic, Predicate Logic, Well – formed – formulae (WFF), Satisfiability and Tautology. Logic Families: TTL, ECL and C – MOS gates. Boolean algebra, Minimization of Boolean functions. Flip-flops: types, race condition and comparison. Design of combinational & sequential circuits. Unit-2 Discrete Structures Set Theory: Sets, Relations, Functions. Pigeonhole Principle, Inclusion-Exclusion Principle, Equivalence and Partial Orderings, Elementary Counting Techniques, Probability. Measure (s) for information and Mutual information. Graph: Definition, walks, paths, trails, connected graphs, regular and bipartite graphs, cycles and circuits. Tree and rooted tree, Spanning trees, Eccentricity of a vertex radius & diameter of a graph. Central Graphs. Centre of a tree. Hamiltonian and Eulerian graphs, Planar graphs. Groups: Finite fields and Error correcting / detecting codes. Unit-3 Data and File Structures Data Structures: Definition, Simple and Composite structures, Arrays, Lists, Stacks, Queues, Linked lists, Trees, Priority queues and heaps. Hashing, inverted lists, Binary trees, B-trees. File Structures: Fields, records and files, Sequential, direct, Index-sequential & relative files. Unit-4 Design and Analysis of Algorithm Sorting and Searching Algorithms, Analysis of Algorithms, Interpolation and Binary Search, Asymptotic notations: big oh, omega and theta. Average case analysis of simple programs like finding of a maximum of n elements, Recursion and its systematic removal. Quicksort-Non-recursive implementation with minimal stack storage. Design of Algorithms (Divide and Conquer, Greedy method, Dynamic programming, Back tracking, Branch and Bound). Lower bound theory, Non-deterministic algorithm-Non-deterministic programming constructs. Simple non-deterministic programs. NP-hard and NP-complete problems. Unit-5 Object Orientation Object, messages, classes, encapsulation, inheritance, polymorphism, aggregation, abstract classes, generalization as extension and restriction, Object oriented design. Multiple inheritance, metadata. Unit-6 Programming Programming language (C/C++/JAVA) concepts, paradigms and models. Data, Data types, Operators, Expressions, Assignment, Flow of Control, Control structures, I/O statements, User-defined and built-in functions, Parameter passing. Principles of object orientation, classes, inheritance, class hierarchies, polymorphism, dynamic binding, reference semantics and their implementation, Higher order functions, lazy evaluation, equations and pattern matching. Unit-7 Database Management System Database Concepts, ER diagrams, Data Models, Design of Relational Database, Normalization, SQL and QBE, Query Processing and Optimization, Centralized and Distributed Database, Security, Concurrency and Recovery in Centralized and Distributed Database Systems, Object Oriented Database, Management Systems (Concepts, Composite objects, Integration with RDBMS applications), ORACLE. Data Warehousing and Data Mining. Unit-8 Operating System Operating System: Basics, functions and types. Process Management, Memory Management, Device Management. Scheduling: CPU Scheduling, I/O Scheduling, Resource Scheduling, Deadlock and Scheduling algorithms. Concurrent Processing: Mutual Exclusion, Critical regions, semaphores, lock and unlock. UNIX: Structure of UNIX Operating System, UNIX Files and Commands, Interfacing with Unix, Editors and Compilers for Unix, LEX and YACC, File system, System calls, Filters, Shell programming. Windows: Windows environment, Unicode, Documents and Views, Drawing in a window, Message handling, Scrolling and Splitting views, Docking toolbars and Status bars, Common dialogs and Controls, MDI, Multithreading, OLE,	Active X controls, ATL, Database access, Network programming. Unit-9 Theory of Computation Formal language, Need for formal computational models, Non-computational problems, diagonal argument and Russel's paradox, Deterministic Finite Automaton (DFA), Non-deterministic Finite Automaton (NFA), Regular languages and regular sets. Equivalence of DFA and NFA. Minimizing the number of states of a DFA. Non-regular languages and Pumping lemma. Pushdown Automaton (PDA), Deterministic Pushdown Automaton (DPDA), Nonequivalence of PDA and DPDA. Context free Grammars: Greibach Normal Form (GNF) and Chomsky Normal Form (CNF), Ambiguity, Parse Tree Representation of Derivations, Equivalence of PDA's and CFG's. Parsing techniques for parsing of general CFG's, Early's, Cook-Kassami-Younger (CKY) and Tomita's parsing. Linear Bounded Automata (LBA) : Power of LBA. Closure properties. Turing Machine (TM) : One tape, multitape. The notions of time and space complexity in terms of TM, Construction of TM for simple problems, Computational complexity, Chomsky Hierarchy of languages: Recursive and recursively-enumerable languages. Unit-10 Artificial Intelligence Introduction : Definition, Future of Artificial Intelligence, Characteristics of Intelligent Agents, Typical Intelligent Agents, Problem Solving Approach to Typical AI problems. Problem solving Methods, Search Strategies, Uninformed, Informed, Heuristics, Local Search Algorithms and Optimization Problems, Searching with Partial Observations, Constraint Satisfaction Problems, Constraint Propagation, Backtracking Search, Game Playing, Optimal Decisions in Games, Alpha–Beta Pruning, Stochastic Games. Knowledge Representation : First Order Predicate Logic, Prolog Programming, Unification, Forward Chaining-Backward Chaining, Resolution, Knowledge Representation, Ontological Engineering: Categories and Objects, Events, Mental Events and Mental Objects, Reasoning Systems for Categories, Reasoning with Default Information. Software Agents : Architecture for Intelligent Agents, Agent communication, Negotiation and Bargaining, Argumentation among Agents, Trust and Reputation in Multi-agent systems. AI applications, Language Models, Information Retrieval-Information Extraction, Natural Language Processing, Machine Translation, Speech Recognition, Robot: Hardware, Perception, Planning, Moving. Expert Systems: Architecture, inference engine, knowledge base, expert system shell. Unit-11 Data Communication and Computer Networks Data Communication: Components of a Data Communication System, Simplex, Half-Duplex and Duplex Modes of Communication; Analog and Digital Signals; Noiseless and Noisy Channels; Bandwidth, Throughput and Latency; Digital and Analog Transmission; Data Encoding and Modulation Techniques; Broadband and Baseband Transmission; Multiplexing, Transmission Media, Transmission Errors, Error Handling Mechanisms. Computer Networks: Network Topologies, Local Area Networks, Metropolitan Area Networks, Wide Area Network, Wireless Networks, Internet. Network Models: Layered Architecture, OSI Reference Model and its Protocols; TCP/IP Protocol Suite, Physical, Logical, Port and Specific Addresses; Switching Techniques. Functions of OSI and TCP/IP Layers: Framing, Error Detection and Correction; Flow and Error Control; Sliding Window Protocol, HDLC, Multiple Access – CSMA/CD, CSMA/CA, Reservation, Polling, Token Passing, FDMA, CDMA, TDMA, Network Devices, Backbone Networks, Virtual LANs. IPv4 Structure and Address Space; Classful and Classless Addressing; Datagram, Fragmentation and Checksum; IPv6 Packet Format, Mapping Logical to Physical Address (ARP), Direct and Indirect Network Layer Delivery; Routing Algorithms, TCP, UDP and SCTP Protocols; Flow Control, Error Control and Congestion Control in TCP and SCTP. World Wide Web (WWW): Uniform Resource Locator (URL), Domain Name Service (DNS), Resolution - Mapping Names to Addresses and Addresses to Names; Electronic Mail Architecture, SMTP, POP and IMAP; TELNET and FTP. Network Security: Malwares, Cryptography and Steganography; Secret-Key Algorithms, Public-Key Algorithms, Digital Signature, Virtual Private Networks, Firewalls. Mobile Technology: GSM ; Services and Architecture of GSM and Mobile Computing; Middleware and Gateway for Mobile Computing; Mobile IP and Mobile Communication Protocol; Communication Satellites, Wireless Networks and Topologies; Cellular Topology, Mobile Adhoc Networks, Wireless Transmission and Wireless LANs; Wireless Geo location Systems, GPRS and SMS. Unit-12 Software Engineering System Development Life Cycle (SDLC) : Steps, Water fall model, Prototypes, Spiral model, Requirement analysis	and specifications. Software Metrics, Software Project Management. Software Design : System design, detailed design, function oriented design, object oriented design, user interface design. Design level metrics, Coding and Testing - Testing level metrics. Software quality and reliability. Clean room approach, software re- engineering. Programming techniques and tools, Software validation and quality assurance techniques, Software maintenance and advanced concepts, Software management. Unit-13 Web Technology Web Fundamentals, Browsers and Protocols. Web servers and securities. Web designing and mark –up languages. HTML, DHTML, XML, Scripting, Java, Servlets, Applets. Unit-14 Emerging Trends Python Fundamentals and Programming, Soft Computing, Machine Learning: Supervised and Unsupervised Learning, Machine Learning libraries: Scipy, Numpy, Matplotlib, Neural Networks, Deep Learning, Block Chain, Cloud Computing, Parallel Computing, Distributed Computing. Cyber Security Fundamentals, Threat Actors, Attacks, and Mitigation, Security Policies and Procedures, Information Security Governance, Risk Management, Incident Management, Digital Forensics. 20. विषय—सांख्यिकी इकाई—1 प्रायिकता सिद्धांत यादृच्छिक प्रयोग, प्रतिदर्श समष्टि, घटनाएँ, घटनाओं का बीजगणित, प्रायिकता की विभिन्न परिभाषाएँ, प्रायिकता समष्टि, प्रायिकता माप और इसके गुण, बुले की असमिका, सप्रतिबंध प्रायिकता, कुल और मिश्र प्रायिकता प्रमेय, बेज प्रमेय और उसके अनुप्रयोग, घटनाओं की स्वतंत्रता। असंतत और संतत यादृच्छिक चर, प्रायिकता द्रव्यमान फलन और प्रायिकता घनत्व फलन, बंटन फलन और इसके गुण, यादृच्छिक चर की प्रत्याशा और इसके गुण, आघूर्ण, संचायांश, प्रायिकता जनक फलन आघूर्ण जनक फलन, अभिलक्षण फलन, प्रतिलोमन प्रमेय, निरंतरता प्रमेय। चेबीशेफ असमिका, मार्कोव असमिका, विभिन्न प्रकार के अभिसरण — प्रायिकता में अभिसरण, बंटन में अभिसरण, r-वें माध्य में अभिसरण, लगभग सुनिश्चित अभिसरण और उनके अंतर्संबंध। वृहत संख्याओं के नियम : वृहत संख्याओं का दुर्बल नियम (WLLN), वृहत संख्याओं का सबल नियम (SLLN), खिनचिन का प्रमेय, कोलमोगोरोव का प्रमेय, बोरेल जीरो–वन मानदंड, बोरेल–कैंटेली प्रमेयिका, केंद्रीय सीमा प्रमेय (CLT), लिंडेबर्ग–लेवी केंद्रीय सीमा प्रमेय, लियापुनोव का केंद्रीय सीमा प्रमेय, लिंडेबर्ग– फेलर का केंद्रीय सीमा प्रमेय। इकाई— 2 बंटन सिद्धांत एक–आयामी यादृच्छिक चर, द्विचर बंटन –संयुक्त, उपांत और सप्रतिबंध बंटन, यादृच्छिक चरों की स्वतंत्रता। असंतत बंटन — द्विपद, प्वासो, ऋणात्मक द्विपद, ज्यामितीय, एकसमान, हाइपर–ज्यामितीय और बहुपद बंटन। संतत बंटन — एकसमान, प्रसामान्य, गामा, बीटा, चरघातांकी, लाप्लास, कौशी, वेबुल, पैरेटो, लॉग– प्रसामान्य बंटन, द्विचर प्रसामान्य बंटन। प्रतिचयन बंटन — काई–वर्ग, t और F बंटनों की व्युत्पत्ति, उनके गुण और अंतर–संबंध। क्रमित प्रतिदर्शज– न्यूनतम और अधिकतम क्रमित प्रतिदर्शजों के बंटन r-वें क्रमित प्रतिदर्शज का बंटन, सभी n क्रमित प्रतिदर्शजों का संयुक्त बंटन, r-वें और s–वें क्रमित प्रतिदर्शजों का संयुक्त बंटन, प्रतिदर्श माधिका और प्रतिदर्श परास का बंटन, व्याप्ति। इकाई—3 आकलन के सिद्धांत बिंदु आकलन : अनभिनतता, संगत आकलक, दक्ष आकलक, क्रैमर–राव असमिका, सर्वोत्तम रैखिक अनभिनत आकलक (BLUE), पर्याप्तता और न्यूनतम पर्याप्तता, गुणनखंडन विधि, पूर्णता, राव ब्लैकवेल प्रमेय, लेहमैन शेफे प्रमेय, चरघातांकी बंटनों का परिवार एवं उनकी पूर्णता, CAN आकलक। आकलक की विधियाँ : आघूर्ण विधि, अधिकतम संभावितता विधि, न्यूनतम वर्ग विधि और उनके गुण। बेजियन आकलन: हास फलन, पूर्व और पाश्च, बंटन, बेज जोखिम, बेज आकलक। अंतराल आकलन: विश्वास्यता अंतराल, सबसे कम लंबाई वाला विश्वास्यता अंतराल, पाइवट का उपयोग करके विश्वास्यता अंतरालों का निर्माण, वृहत प्रतिदर्शों के लिए विश्वास्यता अंतराल। इकाई 4 परिकल्पना परीक्षण परिकल्पना परीक्षण के आधारभूत सिद्धान्त, दो प्रकार की त्रुटियाँ, कान्तिक क्षेत्र, क्षमता फलन, नेमैन–पियर्सन प्रमेयिका, सर्वाधिक क्षमता परीक्षण (एम.पी.टी.), एक समान भाक्ततम परीक्षण (यू.एम.पी.टी.), अनभिनत परीक्षण, एक समान भाक्ततम अनभिनत परीक्षण (यू.एम.पी.यू.टी.), समान क्षेत्र, संभाव्यता अनुपात परीक्षण (एल.आर.टी.), इसके गुण और अनुप्रयोग, अनुक्रमिक प्रायिकता अनुपात परीक्षण (एस.पी.आर.टी.), इसके गुण, ओ.सी. फलन और ए.एस.एन. फलन। t, F और काई–वर्ग बंटनों पर आधारित सार्थकता परीक्षण, फिशर–Z रूपांतरण एवं उस पर आधारित परीक्षण, बृहत प्रतिदर्श परीक्षण। गैर–प्राचलिक परीक्षण–चिन्ह परीक्षण, चिन्ह कोटि परीक्षण माध्यिका परीक्षण, रन परीक्षण, मान–व्हिटनी U परीक्षण, विलकॉक्सन परीक्षण, आसंजन सौशठव परीक्षण–काई वर्ग परीक्षण एवं कोलमोगोरोव–स्मिरनोव परीक्षण। इकाई 5 प्रतिचयन सर्वेक्षण प्रतिचयन अभिकल्पना की अवधारणा, प्रतिचयन योजना, संभाव्यता और गैर संभाव्यता प्रतिचयन, सरल यादृच्छिक प्रतिचयन (प्रतिस्थापन के साथ और प्रतिस्थापन रहित), अलग–अलग संभावनाओं के साथ प्रतिस्थापन सहित एवं प्रतिस्थापन रहित प्रतिचयन, होर्विट्ज–थॉम्पसन आकलक विधि, देसराज
--	---	---

तैयारी।

- खेलों के नियम और उनकी व्याख्या।

इकाई—8

शारीरिक शिक्षा में अनुसंधान की विधियाँ और सांख्यिकी

- अनुसंधान का अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं प्रकार, शोध समस्याओं का चुनाव एवं निर्माण।
- नमूना /न्यार्दान—प्रक्रिया और तकनीक।
- शोध की विधियाँ।
- आंकड़ों का संग्रह—उपकरण और तकनीक।
- आंकड़ों के विश्लेषण की सांख्यिकीय तकनीकें, केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप और चर, सहसम्बन्ध, सामान्य सम्भाव्यता वक्र, टी—परीक्षण, एफ—परीक्षण, काई—स्क्वायर परीक्षण, जेड—परीक्षण।
- परिकल्पना—प्रकार, निर्माण एवं परीक्षण।
- शोध प्रत्यावेदन लेखन।
- शारीरिक शिक्षा और खेलों में आई.सी.टी. के अनुप्रयोग।

इकाई—9

शारीरिक शिक्षा में परीक्षण, मापन और मूल्यांकन

- परीक्षण, मापन और मूल्यांकन की अवधारणा।
- मापन और मूल्यांकन के सिद्धान्त।
- परीक्षणों का वर्गीकरण और निर्माण।
- एक अच्छे परीक्षण के चुनाव की कसौटी।
- शारीरिक शिक्षा के मूल्यांकन की अवधारणा, गामक क्षमता, गामक योग्यता, गामक शैक्षिकता।
- विशेष कौशल परीक्षण—बैडमिन्टन, बास्केटबॉल, हॉकी, लॉन टेनिस, सॉकर और वॉलीबॉल।
- मनोवैज्ञानिक चरों का परीक्षण—प्रतियोगितात्मक दुश्चिन्ता, आक्रामकता, अभिप्रेरण, स्व—अवधारणा, समूह—एकजुटता।
- मानवमिति मापन और शारीरिक संगठन।

इकाई—10

क्रीडा—प्रबंधन

- प्रबंधन की अवधारणा एवं सिद्धान्त।
- विभिन्न क्रीडा संस्थाओं के संगठन और कार्य।
- अन्तः भिक्ती और बाह्य भिक्ती कार्यक्रम।
- आधारभूत संरचना, उपकरण, वित्त और मानव संसाधन का प्रबंधन।
- शारीरिक शिक्षा में अध्यापन की विधियाँ और तकनीकें।
- शारीरिक शिक्षा में पाठ नियोजन के सिद्धान्त।
- शिष्य और गुरु के अन्तर्क्रिया और सम्बन्ध।
- पर्यवेक्षण की अवधारणा और इसकी तकनीकें।

24. विषय— चित्रकला (Drawing & Painting)

इकाई—1

कला के मूलाधार

कला के आधार

- कला—अर्थ, उत्पत्ति, विकास, परिभाषा और वर्गीकरण
- षडंग (भारतीय चित्रकला के छः अंग)
- चित्रकला के तत्व— रेखा, रूप, रंग, तान, पोत और अंतराल।
- संयोजन के सिद्धांत— संतुलन, सहयोग, लय, अनुपात /प्रमाण, सामंजस्य, प्रभाविता और पुनरावृत्ति।

कला और प्रविधि

- चित्रकला के आधार—कैनवास, पेपर /कागज, भित्ति / दीवार, पैनल, मिश्रित आधार तल, भूमि।
- चित्र निर्माण के माध्यम — जलरंग (एक्रेलिक, पोस्टर आदि), तैल रंग, सूखे रंग (वैक्स, पेस्टल, पेंसिल क्रेयान, चारकोल आदि)।
- चित्र निर्माण तकनीक — जलरंग तकनीक (वाश, पोस्टर एवं एक्रेलिक रंग तकनीक), सूखे रंगों की तकनीक।
- भित्ति चित्रण तकनीक— फ्रेस्को (सेक्को और ब्यूनो), म्यूरल।
- रंग सिद्धांत, रंग सामन्जस्य एवं रंग का प्रभाव।

इकाई—2

चित्रकला का इतिहास

भारतीय चित्रकला का इतिहास—

- प्रागैतिहासिक काल, शैलचित्र, सिंधु घाटी, मौर्यकाल, गुप्तकाल, गुफा चित्र (अजंता, एलोरा, एलिफँटा, सिगिरिया, जोगीमारा, बाघ, बादामी)
- लघुचित्रकला— अपभ्रंश, पाल, राजस्थानी, पहाड़ी एवं मुगल चित्रकला
- दक्खिनी चित्रकला— अहमदनगर, बीजापुर, गोलकुण्डा

पाश्चात्य चित्रकला का इतिहास —

- प्रागैतिहासिक चित्रकला, मिश्र एवं मेसोपोटामिया की चित्रकला एवं शास्त्रीय कला, आरम्भिक ईसाई कला, रोमनस्क कला एवं गोथिक कला।
- पुनरुत्थानकालीन चित्रकला— (वेनिस एवं फ्लोरेन्स की चित्रकला)
- पुनरुत्थान कालीन चित्रकार— फ्रा एन्जेलिको, पाओलो उच्चेल्लो, पिएरो दा फ्रान्सेस्को, सान्तो बोन्तिपेल्ली, माइकल एंजेलो, लियोनार्डो द विंची, रैफेल, ज्योर्जिओन, तिशिआन।
- रीतिवाद, बरोक कला, रोकोको कला।

इकाई—3

सौन्दर्य और कला

भारतीय कला और सौन्दर्य—

- भारतीय कला का अर्थ, परिभाषा और विशेषताएँ, कला का वर्गीकरण, ललित कला और उसके अनुभाग।
- भारतीय सौन्दर्य के सिद्धांत— रस सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत, अलंकार सिद्धांत, औचित्य सिद्धांत।
- भारतीय सौन्दर्य दर्शन — भरतमुनि, अभिनवगुप्त, आचार्य भामह, आचार्य क्षेमेन्द्र, आनन्द कुमार स्वामी, रवीन्द्रनाथ टैगोर।
- विष्णुधर्मोत्तर पुराण, नाट्यशास्त्र, चित्रसूत्र, कामसूत्र के अनुसार कला और सौन्दर्य।

पाश्चात्य कला और सौन्दर्य —

- पाश्चात्य कला का अर्थ, परिभाषा और वर्गीकरण, ललित कला और उसके अनुभाग।
- पाश्चात्य सौन्दर्य के सिद्धांत— अनुकृति सिद्धांत, बुद्धिवाद, अनुभववाद, मनोवैज्ञानिक सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत।
- पाश्चात्य कला दर्शन एवं सौन्दर्य— प्लेटो, अरस्तू, हेगेल, कान्ट, कोचे,

टॉलस्टाय, फ्रायड, बामगार्टन, रोजर फ्राय, क्लाइवेल।

इकाई—4

आधुनिक कला

भारतीय आधुनिक चित्रकला —

- कालीघाट की चित्रकला, कम्पनी शैली, बंगाल शैली।
- पुनरुत्थानकालीन चित्रकार— राजारवि वर्मा, अवनीन्द्रनाथ ठाकुर, नंदलाल बसु, असित कुमार हाल्दार, अमृता शेरगिल, यामिनी रॉय, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, गगेन्द्र नाथ।
- यथार्थवाद, अभिव्यंजनावाद, प्रभाववाद, तंत्रकला, इलेस्ट्रेशन।
- आधुनिक चित्रकार— सतीश गुजराल, नारायण श्रीधर बेन्द्रे, बी0 प्रभा, अर्पिता सिंह, के0एस0 कुलकर्णी, के0 के0 हैब्वर, प्राण नाथ मार्गो, के0 एच0 आरा, विनोद बिहारी मुखर्जी, भावेश सान्याल, जी0आर0 संतोष, एस0एच0 रजा, तैयब मेहता, कृष्ण खन्ना, के0 सी0 एस0 पाणिक्कर, के0 जी0 सुब्रमण्यन, भूपेन्द्र खक्कर, नलिनी मलानी, विवान सुन्दरम्, अपर्णा कौर, गोगी सरोज पाल आदि।

पाश्चात्य आधुनिक चित्रकला —

- नवशास्त्रीयवाद, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद प्रभाववाद (नवप्रभाववाद, उत्तर प्रभाववाद), फाववाद, घनवाद, अभिव्यंजनावाद, भविष्यवाद
- आधुनिक चित्रकार— एडोर्ट माने, क्लोड मोने, पिसारो और सिसली, एडगार देगा, पॉल सिजॉ, वान गो, हेनरी मातिस, पाब्लो पिकासो, एडवर्ड मुंक, गुस्ताव कुर्बे।

इकाई—5

लोककला और जनजातीय कला

- पट्ट चित्रकला—(कालीघाट, उड़ीसा, तंजौर, नाथद्वारा)
- भारत के विभिन्न प्रांतों की लोककला— पिछवाई कांवड़, मांडणा (राजस्थान), सांझी (उ0प्र0), मधुबनी (बिहार), ऐपण (उत्तराखण्ड) आदि।
- आदिवासी कला— वर्ली पेंटिंग (महाराष्ट्र), पिथोरा पेंटिंग (गुजरात), गोंड पेंटिंग(म0प्र0), साओरा पेंटिंग (उड़ीसा), संथाल पेंटिंग (बंगाल और बिहार सीमा से संथाल परगना जिले से), भील पेंटिंग (म0प्र0, गुजरात, राजस्थान) आदि।
- लोककला, जनजातीय कला और पर्यावरण का सम्बंध, पर्यावरणीय कला।

इकाई —6

भारतीय मूर्तिकला एवं भारतीय स्थापत्य कला —

भारतीय मूर्तिकला

- प्रागैतिहासिक काल— (हड़प्पा, मोहनजोदड़ो), मौर्यकाल, शुंगकाल, गुप्तकाल, गांधारकाल, चालुक्यकाल, राष्ट्रकूटकाल।
- रामकिंकर वैज, सतीश गुजराल, संखो चौधरी, मीरा मुखर्जी, जगना चौधरी आदि।

भारतीय स्थापत्य कला—

- सिंधु घाटी सभ्यता की स्थापत्यकला, मौर्यकाल स्तूप स्थापत्य कला (सांची, भरहूत, सारनाथ)
- मंदिरों की स्थापत्य कला— गुप्तकालीन उड़ीसा के मंदिर, चंदेलकालीन, चालुक्यकालीन, राष्ट्रकूट और होयसल।
- गुफा मंदिरों की स्थापत्यकला— अजंता, एलोरा, ऐलिफँटा।
- मंदिरों की प्रमुख स्थापत्य शैली— नागर, द्रविड़, बेसर।

25. विषय— सैन्य विज्ञान (रक्षा अध्ययन)

इकाई—1

रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन और युद्ध के सैद्धांतिक पक्ष

- रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन का अर्थ और परिभाषा—प्रासंगिकता और महत्व।
- राष्ट्र—राज्य, राष्ट्रीय शक्ति एवं अवयव।
- युद्ध — मूलभूत अवधारणा, प्रकार, समसामयिक यौद्धिक वाद।
- मूलभूत अवधारणाएं — मुहिम, संग्राम, स्त्रातेजी, सामरिकी, सुरक्षा एवं रक्षा।
- युद्ध के सिद्धांत:
- क्रांतिकारी युद्ध और गुरिल्ला युद्ध: अवधारणा
- विशेषताएँ, रणनीति और सामरिकी तथा प्रति—गुरिल्ला उपाय।
- मनोवैज्ञानिक युद्ध कला: प्रचार, अफवाह एवं बुद्धि परिवर्तन।
- परमाणु युग में आधुनिक और अपरंपरागत युद्ध।
- परमाणु युद्ध — ‘निवारण’ और व्यापक प्रतिकार की परमाणु रणनीतियाँ एवं परमाणु सिद्धांत।

इकाई— 2

‘युद्ध के आर्थिक पक्ष’

- रक्षा के आर्थिक सिद्धांत: डम स्मिथ, डेविड रिकार्डो, जे0,म0 कीन्स
- धारणीय विकास: चुनौतियां एवं अनुक्रियाएं।
- रक्षा योजना की मूलभूत बातें।
- रक्षा व्यय तथा रक्षा बजट निर्माण के निर्धारक तत्व।
- रक्षा बजट।
- युद्ध के आर्थिक कारण।
- आधुनिक समय मे आर्थिक युद्ध कौशल।
- युद्ध काल के उपरांत पुनर्निर्माण की आर्थिक समस्याएं।
- राष्ट्रीय सुरक्षा तथा अन्तरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था।
- डब्ल्यू टी ओ, ट्रिप्स, ट्रीम्स, एफटीए, नाफ्टा, साफ्टा, एनएसजी।
- क्षेत्रीय तथा वैश्विक आर्थिक मंचों और संगठनों में भारत की भूमिका।

इकाई — 3

भारत में युद्धकला का विकास

- वैदिक, महाकाव्य व हिन्दू कालीन युद्धकला।
- राजपूतों और तुर्कों के सैन्य संगठन और युद्ध की तकनीक— तराइन का युद्ध, 1192 ई0।
- मुगलों के सैन्य संगठन और युद्ध की तकनीक, पानीपत का प्रथम युद्ध, 1526 ई. के संदर्भ में।
- शिवाजी के अधीन मराठों के सैन्य संगठन और उनकी युद्धकला।
- महाराजा रणजीत सिंह के अधीन सिख सेना का सैन्य संगठन और युद्धकला।
- अस्साई की लड़ाई(1803ई—) के विशेष संदर्भ में एंग्लो—मराठा और एंग्लो—सिख युद्ध।
- प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश कालीन भारतीय सैन्य बलों की भूमिका।
- भारत में उच्च रक्षा संगठन का विकास।
- स्वतंत्रता के बाद भारत के युद्ध एवं पड़ोसियों से सम्बन्ध, निम्न के विशेष संदर्भ में— क. प्रथम भारत—पाकिस्तान युद्ध (1947—1948) ख. 1962 का भारत—चीन युद्ध। ग. 1965 का भारत—पाकिस्तान युद्ध।

घ. 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति।

इ. 1999 का कारगिल संघर्ष।

इकाई— 4

राष्ट्रीय सुरक्षा—सैद्धांतिक पक्ष

- राष्ट्रीय सुरक्षा:
- क. अर्थ और परिभाषा।
- ख. खतरे की धारणा।
- ग. भारत के लिए खतरों के प्रकार।
- राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौतियाँ
- क. आंतरिक चुनौतियाँ।
- ख. बाहरी चुनौतियाँ।
- वैश्विक समकालीन सुरक्षा वातावरण।
- विरोधी विचारधाराएं, सैन्यवाद ,राष्ट्रवाद, कट्टरवाद, अलगाववाद, समुद्धरणवाद।
- रक्षा और विकास: अवधारणा और भारत के लिए इसके निहितार्थ।
- शक्ति सन्तुलन, सामूहिक सुरक्षा और गुट निरपेक्षता।
- 21वीं सदी में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा के संरक्षण में सैन्य गठबन्धन तथा उनकी भूमिका।

इकाई—5

स्त्रातेजिक चिंतन

- सनत्जु — युद्ध की अवधारणा एवं युद्ध के विचार।
- कौटिल्य का युद्ध दर्शन।
- युद्ध पर क्लॉजविट्ज के सिद्धांत।
- जोमिनी के विचार और युद्ध के सिद्धांत।
- महान के समुद्री शक्ति और नौसेना युद्ध पर विचार।
- जे.एफ.सी. फुलर और लिडेल हार्ट: युद्ध पर उनके विचार।
- माओत्से—तुंग एवं चेग्वेरा के विचार व सिद्धांत।
- डुहेट और मिचेल: आधुनिक युद्ध में वायु शक्ति की भूमिका पर उनके विचार।
- वाई. हरकाबी, जॉन फोस्टर डलेस और आंद्रे ब्यूफ्रे — परमाणु युद्ध और निवारण के सिद्धांत।

इकाई — 6

“युद्ध के संबंध में विज्ञान और प्रौद्योगिकी”

- विज्ञान प्रौद्योगिकी और राष्ट्रीय सुरक्षा
- समाज और युद्ध पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रभाव।
- प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण:
- क. अन्तरराष्ट्रीय परस्पर निर्भरता।
- ख. बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका।
- आयुध प्रौद्योगिकी:
- क. बख्तरबंद वाहन / टैंक और एपीसी— अनुप्रयोग व प्रति—अनुप्रयोग।
- ख. विमान, यूएवी और मिसाइल — अनुप्रयोग व प्रति—अनुप्रयोग।
- ग. पनडुब्बी और विमान वाहक—अनुप्रयोग व प्रति—अनुप्रयोग।।
- इलेक्ट्रॉनिक युद्ध कला: अवधारणा और अनुप्रयोग.
- अंतरिक्ष सुरक्षा और युद्ध —

क. संचार, निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने में अंतरिक्ष का उपयोग

ख. कमान और नियंत्रण में अंतरिक्ष का उपयोग

ग. बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD): अवधारणा और अनुप्रयोग।

इकाई — 7

गैर पारंपरिक सुरक्षा खतरे

- मानव सुरक्षा — परिभाषा, अर्थ एवं अवधारणा।
- पर्यावरण सुरक्षा, आपदाएं व प्रबंधन।
- ऊर्जा सुरक्षा— परिभाषा, एवं महत्व।
- अवैध प्रवजन — कारण एवं प्रभाव।
- नाकॉ—आतंकवाद — नशीले पदार्थों की तस्करी।
- संगठित अपराध तथा मनी लॉन्ड्रिंग
- साइबर सुरक्षा: अवधारणा, एवं मुद्दे।

इकाई — 8

‘डब्ल्यू.एम.डी., परमाणु प्रसार और राष्ट्रीय सुरक्षा’

सामूहिक विनाश के हथियार—परमाणु हथियार, रासायनिक और जैविक हथियार।

निरस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण की मूलभूत अवधारणाएं और सिद्धांत, निरस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण के दृष्टिकोण।

शस्त्रों की आपूर्ति, शस्त्र व्यापार, शस्त्र प्रसार, छोटे शस्त्रों का प्रसार।

निरस्त्रीकरण प्रयासों का ऐतिहासिक सर्वेक्षण:

a. राष्ट्र संघ के तहत।

b. संयुक्त राष्ट्र के तहत।

C. एकपक्षीय, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दृष्टिकोण।

रासायनिक और जैविक हथियार सम्मेलन।

अप्रसार की अवधारणा, एनपीटी, सीटीबीटी, पीटीबीटी, एमटीसीआर और अन्य महत्वपूर्ण संधियाँ।

आतंकवाद और परमाणु प्रसार।

26. विषय— दर्शनशास्त्र

इकाई—1

भारतीय दर्शन

- वेद एवं उपनिषद** — आत्मा, जगत एवं ब्रह्म
- चार्वाक** — ज्ञानमीमांसा एवं तत्व मीमांसा
- जैन दर्शन**— स्यादवाद, अनेकांतवाद, नयवाद, बन्धन तथा मोक्ष
- बौद्ध दर्शन**— चार आर्य सत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद, निर्वाण, अष्टांगिक मार्ग, क्षणभंगवाद, अनात्मवाद
- बौद्ध दर्शन के सम्प्रदाय**— वैभाषिक तथा सौतांत्रिक में ज्ञानमीमांसीय भेद, विज्ञान विषयक तर्क, विज्ञान के प्रकार, शून्य के संबंध में विभिन्न विचार।
 - सांख्य**— सत्कार्यवाद, प्रकृति और उसके पर्याय, प्रकृति के अस्तित्व हेतु तर्क, पुरुष का स्वरूप, पुरुष का अस्तित्व और अनेकता हेतु प्रमाण, पुरुष और प्रकृति का संबंध, बंधन और मोक्ष
- योग**— चित्त और चित्तवृत्ति पर पतंजलि के विचार, अष्टांग योग, योग में ईश्वर की भूमिका
- न्याय**— ज्ञान के स्रोत, प्रामाण्य और अप्रामाण्य, ईश्वर की अवधारणा एवं ईश्वर सिद्धि के प्रमाण, भ्रम का सिद्धांत
- वैशेषिक**— श्रेणियां, कारणता, और परमाणुवाद।

• पूर्वमीमांसा— प्रामाण्यवाद, वैध ज्ञान के स्त्रोत, ज्ञान का स्वरूप, त्रिपुटी प्रत्यक्षवाद और ज्ञाततावाद, आत्मा की अनेकता, धर्म और अपूर्व की अवधारणा, वैदिक वाक्यों के स्वरूप, भ्रम के सिद्धांत • वेदांत— अद्वैतवाद— अध्यास, अनिर्वचनीय ख्यातिवाद, ब्रह्म एवं माया, विवर्तवाद, ब्रह्म और ईश्वर, जीव और जगत, ज्ञान और मोक्ष, शंकर प्रच्छन्न बौद्ध के रूप में विशिष्टाद्वैत— सगुण ब्रह्म, माया का खण्डन, सत् ख्यातिवाद, अपृथक्सिद्धि, परिणामवाद, जीव, भक्ति एवं प्रपत्ति। इकाई-2 गीता, वैष्णव एवं शैव दर्शन • गीता में दार्शनिक सिद्धांत— निष्काम कर्मवाद, लोक संग्रह की अवधारणा, स्वकर्म एवं स्वधर्म • कश्मीर शैव दर्शन • मध्वाचार्य का दर्शन • निम्बार्काचार्य का दर्शन • वल्लभाचार्य का दर्शन इकाई-3 पाश्चात्य दर्शन • सुकरात पूर्व दार्शनिक, सोफिस्ट एवं सुकरात • प्लेटो— ज्ञान का सिद्धांत, प्रत्यय का सिद्धांत, द्वंद्वात्मक विधि, आत्मा एवं ईश्वर • अरस्तू— प्लेटो के प्रत्यय सिद्धांत की आलोचना, कारणता का सिद्धांत, द्रव्य और आकार, सामर्थ्य एवं यथार्थता, आत्मा एवं ईश्वर • संत आगस्टीन— अशुभ की समस्या • संत अन्सेल्म— ईश्वरीय अस्तित्व हेतु सत्तामूलक युक्ति • संत थॉमस एक्विनास— विश्वास और तर्क, ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रमाण • डेकार्ट— संदेह विधि, मैं सोचता हूँ अतः मैं हूँ, मन—देह संबंध, ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रमाण • स्पिनोजा— द्रव्य, गुण और पर्याय, ईश्वर की अवधारणा और स्वरूप, सर्वेश्वरवाद, शरीरात्म संबंध • लाइबनीज— चिदणुवाद, पूर्व स्थापित सामंजस्य का सिद्धान्त, ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रमाण • लॉक— ज्ञान सिद्धांत, प्रत्ययों के प्रकार, जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन, ज्ञान की सीमाएं, प्राथमिक एवं गौण गुण • बर्कले— आत्मगत प्रत्ययवाद, सत्ता दृश्यता है, अमूर्त प्रत्ययों का खण्डन, अहंमात्रवाद की समस्या, ईश्वर और जीव • ह्यूम— ज्ञान सिद्धांत, ईश्वर के अस्तित्व का खण्डन, कारणता का खण्डन, संदेहवाद, • काण्ट— समीक्षात्मक दर्शन, निर्णयों का वर्गीकरण, प्रागनुभविक संश्लेषणात्मक निर्णय की संभावना, संवेद्यता के प्रकार, बुद्धि की कोटियां, तात्त्विक एवं अतीन्द्रिय निगमन की कोटियां, व्यवहार एवं परमार्थ, तर्क का प्रत्यय, आत्मा, ईश्वर और एकात्मक विश्व, स्वतंत्रता एवं अमरता • हेगल— हेगेलियन द्वंद्व एवं उसका ढांचा, सत्-असत् एवं संभवन की अवधारणा, निरपेक्ष प्रत्ययवाद। इकाई-4 <u>नीतिशास्त्र (भारतीय, पाश्चात्य, अनुप्रयुक्त)</u> <u>भारतीय नीतिशास्त्र</u> • पुरुषार्थ की अवधारणा, श्रेय एवं प्रेय • वर्णाश्रम धर्म एवं साधारण धर्म • ऋण एवं यज्ञ, कर्तव्य की अवधारणा • कर्मयोग, स्थितप्रज्ञ, स्वधर्म, लोकसंग्रह • अपूर्व और अदृष्ट • साध्य—साधन, इतिकर्तव्यता • कर्म की विधि: नैतिक प्रयोग • ऋत और सत्य • योग क्षेम • अष्टांग योग • जैन दर्शन—संवर—निर्जरा, त्रि—रत्न, पंच—व्रत • बौद्ध दर्शन—उपाय कौशल, ब्रह्मविहार: मैत्री, करुणा, मुदिता, उपेक्षा, बोधिसत्व • चार्वाक का सुखवाद <u>पाश्चात्य नीतिशास्त्र</u> • शुभ, अधिकार, न्याय, कर्तव्य, दायित्व, मूल सदगुण तथा आत्मपूर्णतावाद का समग्रत्य, अंतः प्रज्ञावाद की प्रयोजनमूलक एवं मानदण्डमूलक संकल्पनाएं • अहंवाद, परार्थवाद, सार्वभौमिकवाद • व्यक्तिनिष्ठतावाद, सांस्कृतिक सापेक्षतावाद, अति—प्रकृतिवाद, नैतिक यथार्थ, • कान्ट द्वारा प्रतिपादित नैतिक सिद्धान्त, नैतिकता की पूर्व मान्यताएं, शुभ संकल्प, निरपेक्ष आदेश, कर्तव्य, साधन और साध्य, कान्ट की पूर्व मान्यताएं। • उपयोगितावाद— उपयोगिता का सिद्धान्त, नैतिकता को स्वीकृत करने तथा न्याय संगतता की समस्या, उपयोगिता के प्रकार, बेंथम, जे.एस. मिल तथा सिजविक के नैतिक सिद्धान्त • दण्ड के सिद्धान्त <u>अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र</u> • अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप • प्रौद्योगिकी का नीतिशास्त्र— तकनीक, प्रभुत्व, शक्ति तथा सामाजिक असमानताएं • प्रौद्योगिकी का लोकतन्त्रीकरण • विज्ञान और प्रौद्योगिकी का सार्वजनिक मूल्यांकन • सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी तथा अप्रौद्योगिकी के नीतिशास्त्रीय निहितार्थ • पर्यावरणीय नीतिशास्त्र—साधन अथवा साध्य के रूप में प्रकृति, अर्नेनैस—गहन पारिस्थितिकी, पीटर सिंगर—जानवरों के अधिकार • आयुर्विज्ञान का नीतिशास्त्र— स्थानापन्न मातृत्व, चिकित्सक—मरीज सम्बन्ध, गर्भपात, इच्छामृत्यु, कन्या भ्रूणहत्या। • व्यावसायिक नीतिशास्त्र— व्यावसायिक प्रशासन और नैतिक उत्तरदायित्व। • प्रेस सम्बन्धी नीतिशास्त्र— निजता से सम्बन्धित नैतिक मुद्दे, साइबर स्पेस, पोर्नोग्राफी, प्रतिनिधित्व तथा मतभेद, • विधिक नीतिशास्त्र— विधि और नैतिकता, विधिक उत्तरदायित्व, विधिक का प्राधिकार एवं अधिमान्यता	• दार्शनिक परामर्श: दैनिक समस्याओं का प्रबंधन इकाई-5 <u>धर्म दर्शन</u> • धार्मिक विश्वास का आधार, आस्था, तर्कबुद्धि, देवीय प्रकाशना, रहस्यानुभूति • ईश्वर के गुण • परम्परागत तर्क एवं ईश्वर के अस्तित्व के लिए धार्मिक अनुभूतिपरक प्रमाण • अशुभ की समस्या एवं उसका समाधान • धार्मिक सहिष्णुता, धर्म परिवर्तन एवं धर्म निरपेक्षता • धार्मिक भाषा इकाई-6 <u>विश्व धर्म दर्शन</u> • धर्म का अर्थ, धर्म की उत्पत्ति के सिद्धान्त • हिन्दू धर्म, सिख धर्म • बौद्ध धर्म, जैन धर्म • पारसी धर्म, इसाई धर्म • इस्लाम धर्म तथा सूफीवाद इकाई-7 <u>भारतीय तर्कशास्त्र</u> • प्राचीन न्याय एवं नव्य न्याय में अनुमान का स्वरूप एवं प्रकार • बौद्ध एवं जैन दर्शन में अनुमान का प्रकार • व्याप्ति की परिभाषा, प्रकार एवं व्याप्ति स्थापना की विधि • हेत्वाभास के प्रकार/तर्कदोष <u>पाश्चात्य तर्कशास्त्र</u> • आगमन एवं निगमन तर्कशास्त्र में अन्तर • सत्यता और वैधता • प्रतिज्ञप्तियों के प्रकार • निरपेक्ष न्याययुक्ति • विचार के नियम। • प्रतिज्ञप्तियों का वर्गीकरण। • परम्परागत विरोध—वर्ग। • सत्यता—फलन तथा प्रतिज्ञप्तिपरक तर्कशास्त्र। • परिमाणन और परिमाणन के नियम। • प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र: प्रतीकों का प्रयोग। • निर्णय प्रक्रियाएं: सत्यता सारणी, युक्तियों की वैधता के परीक्षण हेतु सत्यता सारणियों का प्रयोग। • वेन आरेख, अनौपचारिक एवं औपचारिक तर्क दोष। • वैधता का परीक्षण, युक्ति और युक्ति आकार। • स्वयं सिद्धि प्रणाली, संगति, पूर्णता। इकाई-8 <u>सामाजिक-राजनीतिक दर्शन</u> • सामाजिक एवं राजनीतिक आदर्श—समानता, न्याय, स्वतंत्रता • संप्रभुता—ऑस्टिन, बोडिन, लारकी, कौटिल्य • व्यक्ति एवं राज्य—अधिकार, कर्तव्य एवं जवाबदेही • सरकार का स्वरूप—राजशाही, धर्मतंत्र एवं लोकतंत्र • राजनीतिक विचारधाराएं— अराजकतावाद, मार्क्सवाद एवं समाजवाद • मानवतावाद—धर्मनिरपेक्षतावाद, बहुसंस्कृतिवाद • अपराध एवं दण्ड—भ्रष्टाचार, सामूहिक हिंसा, नरसंहार, मृत्युदण्ड • विकास एवं सामाजिक प्रगति • लिंग भेद—कन्या भ्रूण हत्या, भूमि एवं संपत्ति का अधिकार, सशक्तीकरण • जातिगत भेदभाव—गाँधी एवं अम्बेडकर इकाई-9 <u>समकालीन भारतीय दर्शन</u> • स्वामी विवेकानन्द—व्यवहारिक वेदान्त, सार्वभौम धर्म, धार्मिक अनुभव, धार्मिक अनुष्ठान • श्री अरविन्द—विकास, मन एवं अतिमनस, समग्र योग • रविन्द्रनाथ टैगोर—मानव धर्म, शिक्षा सम्बन्धी विचार, राष्ट्रवाद की अवधारणा • के.सी. भट्टाचार्य—विचारों में स्वराज, दर्शन की अवधारणा, स्वतंत्रता के रूप में ज्ञाता, मायावाद • सर्वपल्ली राधाकृष्णन— बुद्धि एवं अंतः प्रज्ञा, जीवन के प्रति आदर्शवादी दृष्टिकोण, सार्वभौम धर्म की अवधारणा, जीवन के प्रति हिन्दू दृष्टि • महात्मा गाँधी— सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, स्वराज, आधुनिक सभ्यता की आलोचना • भीमराव अम्बेडकर— जाति उच्छेदन, हिन्दूवाद का दर्शन, नव-बौद्धवाद • दीनदयाल उपाध्याय— एकात्म मानववाद, अद्वैत वेदान्त, पुरुषार्थ • एम.एन.राय— आमूल मानववाद, भौतिकवाद • स्वामी दयानन्द सरस्वती— भारतीय षडदर्शन समन्वय, त्रैतवाद (ईश्वर, जीव एवं प्रकृति) इकाई-10 <u>समकालीन पाश्चात्य दर्शन</u> • जी.ई. मूर— प्रत्यवाद का खण्डन, सामान्य बुद्धि का मण्डन, दर्शन एवं विश्लेषण • बी. रसेल— परिचयात्मक ज्ञान एवं विवरणात्मक ज्ञान, तार्किक संरचना एवं तार्किक अनुवाद • एल.विट्गेंस्टाइन— भाषा एवं सत्ता, तथ्य एवं वस्तुएं, नाम एवं प्रतिज्ञप्ति, चित्र सिद्धान्त, दर्शन के कार्य, अर्थ एवं प्रयोग, भाषायी खेल, वैयक्तिक भाषा • ए.जे. एयर— ज्ञान की समस्या • जे.पी. सार्त्र—अस्तित्व सार का पूर्वगामी है, स्वतंत्रता एवं उत्तरदायित्व, मानववाद • ई.हुसर्ल— हुसर्ल की विधि, विषय निष्ठता, • सी.एस. पीयर्स, विलियम जेम्स, जॉन डेवी—अर्थ क्रियावाद • पी.एफ. स्ट्रॉसन— व्यक्ति, मूल विशेष, अभिज्ञान • जे.एल. आस्टिन— निश्चित एवं निदर्शनकारी कथन, निदर्शन की शर्तें, वाक् क्रिया सिद्धान्त • डब्लू0वी0ओ0 क्वाइन— अनुभववाद के दो मताग्रह, उत्कट अनुभववाद <u>27. SUBJECT : MUSIC INSTRUMENTAL (SITAR)</u> Sangeet Swar Vadya	Music is a performing art, therefore practical and theory both are very Important. Hundred marks is for stage performance and hundred marks for theory. For stage performance and Viva Experts of music are genuine. 1- Stage performance and Viva a- performance in detail of choice raga b- to present a raga composition, other than trital c- Thumari, Dhune (light classical music) d- Experiment for new composition 2- Detailed Ragas for study 1- Shudh Kalyan 2- Yamani Bilawal 3- Shudh Sarang 4- Sarang 5- Ahir Bhairav 6- Gurjari Todi 7- Desi 8- Jog 9- Yaman 10- Bagashwari 11- Todi 12- Devgiri Bilawal 13- Kaunsi Kanhada 14- Puriya Dhanashri 15- Megh Malhar 16- Bilaskhani Todi 17- Miya Malhar 18- Komai Ashawari 19- Jog Kauns 20- Puriya Kalyan 21- Puriya 22- Darbari Kanhada 23- Malkaus 24- Bhairav 25- Lalit 26- Marva 27- Shyam Kalyan 28- Kedar 29- Bhairavi 30- Anand Bhairav 3- Non-Detailed Ragas 1- Khambavati 2- Sahana 3- Bhopal Todi 4- Abhogi Kanhada 5- Nand 6- Hans Dhwani 7- Madhrnad Sarang 8- Samant Sarang 9- Dev Gandhar 10- Malgunji At least one composition in Ektal, Jhumara, Roopak Taal, Knowledge of Layakari 5/4 or 3/4 Theory 1- Comparative study of Ragas 2- Knowledge of Gat and Notation 3- Elementary knowledge of staff notation 4- comparative study of Hindustani and Karnataka Music Ragas 5- Development, classification and techniques of the Indian Music in reference of musical instruments. 6- Contribution of instrumental musicians of 18th century 7- Development of Western Instruments 8- Define - Swar-Samvad, Melody, Hormony, Tone, Shruti, Gram, Murchhana, Naad, Murki, Jhala, Alap. 9- Classification of Ragas 10- Music and psychology 11- The utility of Vadya Sangeet 12- Music and Science 13-The Scale of Karnataka and Hindustani Music 14- Views of Plato and Aristotle about Music 15- The importance of Ras-Bhav in Music 16- Relation between Chhand and Taal 17- Use of Kutup 18- Comparative study of classical/ Semi classical and folk Music 19- Comparative Study of Tat (Vitat), Ghan, Sushir and Avanadha Vadya Who were the authors of following books. 1- Natya Shastra 2- Sangeet Ratnakar 3- Pranav Bharti 4- Bhartiya Sangeet Vadya 5- Raga Parichaya 6- Sitar Malika Describe Gharanas of following Artists: 1- Nikhil Banerjee 2- Ustad Halim Jafar 3- Ustad Allauddin Khan 4- Pandit Ravi Shanker 5- Ustad Vilayat Khan 6- Vishnu Digamber Paluskar 7- Bade Gulam Ali Khan 28. विषय— संगीत वादन (तबला) इकाई— I अवनद्य वाद्यों की उत्पत्ति और विकास (क) भरत, शारंगदेव और लालमणि मिश्रा द्वारा वर्णित भारतीय संगीत वाद्यों का वर्गीकरण। (ख) अवनद्य वाद्यों की उत्पत्ति और विकास का विस्तृत अध्ययन— प्राचीन (भारत
--	--	--

के अनुसार) मध्यकालीन (शारंग देव के अनुसार) और आधुनिक तालवाद्य की उत्पत्ति और विकास का विस्तृत अध्ययन। (ग) तबला की उत्पत्ति एवं ऐतिहासिक विकास। (घ) निम्नलिखित वाद्यों की संरचना और वादन तकनीक। मृदंग, पखावज, तबला, मृदंगम, घटम, तविल, खंजीरा, खोल, चेंडा, चंग, उपंग, डफ, नक्कारा, ढोल, ढोलक, संबल, ढोलकी, नाल, हुड्डका, पुंग और उत्तर प्रदेश के तालवाद्य। (ङ) निम्नलिखित वाद्यों का मूलभूत ज्ञान— तत वाद्य : रुद्र वीणा, विचित्र वीणा, सरस्वती वीणा, सितार, सरोद, सारंगी, वायलिन, इसराज, संतूर, सुरबहार, गिटार तानपुरा सुषिर वाद्य : बांसुरी, शहनाई, नागस्वरम, अलगोजा, सुंदरी। घन वाद्य : जल—तरंग, नल—तरंग, मोर्सिंग, चिपली, जालरा, करताल, झांझ, मंजीरा (च) पश्चिमी संगीत में उपयोग किए जाने वाले लोकप्रिय ताल वाद्य: केटल ड्रम, स्नेयर ड्रम, बास ड्रम, टेनोर ड्रम	(ग) उत्तर भारतीय संगीत की प्रचलित और अप्रचलित तालें। इकाई— IV तबला वाद्ययंत्र में गणितीय गणना का अनुप्रयोग (क) लय एवं विभिन्न लयकारियाँ। (ख) उत्तर भारतीय तालों में प्रत्येक मात्रा से तिहाइ बनाने की रचना प्रणाली। (ग) चक्रदार—साधारण, फरमाइशी और कमाली। (घ) नौहक्का। (ङ) आचार्य बृहस्पति द्वारा वर्णित बत्तीस तिहाइयों का चक्र। इकाई—V तबला में घरानों की अवधारणा (क) घरानों का उद्गम और विकास एवंम् बाज। (ख) तबला घरानों का विस्तृत ज्ञान: दिल्ली, अजराड़ा, फर्रुखाबाद, लखनऊ, बनारस, पंजाब। (ग) प्रत्येक घराने की मुख्य विशेषताएँ। (घ) तबला के घरानों की विभिन्न वादन शैलियों एवं प्रमुख रचनाएँ। इकाई— VI निम्नलिखित ग्रंथों का अध्ययन (अवनद्य वाद्यों और तालों के विशेष संदर्भ में) (क) नाट्य शास्त्र, संगीत रत्नाकर, बृहद्देशी, संगीत समयसार, संगीत राज, अष्टोत्तर शत ताल लक्षणम, भारतीय संगीत वाद्य, तबले का उदगम विकास एवंम् वादन शैलियाँ, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, पखावज एवंम् तबले के घराने एवंम् परम्पराएँ, ताल कोश, तबला वादन कला एवंम् शास्त्र, अस्थैटिक्स आफ तबला, तबला पुराण, ताल वाद्य परिचय, तबला ग्रंथ मंजुषा, लय ताल विचार मंथन, तबला वादन में निहित सौंदर्य, सोलो तबला ड्रमिंग आफ नार्थ इण्डिया, तबला आफ लखनऊ, ताल वाद्य शास्त्र, भारतीय संगीत में ताल छंद एवं रूप विधान, तबला कौमुदी, तबला (अरविंद मुलगांवकर) ताल परिचय— (भाग 3) द आर्ट आफ तबला रिद्म, अवनद्य वाद्य, ताल प्रकाश। इकाई— VII कलाकार और रचनाकार (क) तबला वादक —नत्थू खान, मोदू खान, बक्शु खान, आबिद हुसैन खान, हाजी विलायत अली, सलारी खान, चुडिया इमाम बख्श, राम सहाय, मुनीर खान, मसीत खान, हबीबुद्दीन खान, अहमदजान थिरुकुवा, आमिर हुसैन, जहांगीर खान, शेख दाउद, बड़े मुन्ना खान, करमतुल्लाह खान, अल्लारखा खान, ज्ञान प्रकाश घोष, निखिल घोष, भैरव सहाय, बलदेव सहाय, बीरू मिश्रा,	वाजिद हुसैन, अफाक हुसैन खान, बिक्कू महाराज, किशन महाराज, कांठे महाराज, सामता प्रसाद (गुदई महाराज) अनोखे लाल मिश्रा, इनाम अली खान, पठरीनाथ, नागेशकर, लतीफ अहमद खान, लच्छू महाराज, लाल जी श्रीवास्तव, शफात अहमद खान, शारदा सहाय, सुरेश तलवलकर, स्वपन चौधरी, जाकिर हुसैन, अनिंदो चटर्जी, कुमार बोस। (ख) पखवाज वादक — कुदऊ सिंह, जोध सिंह, नाना पानसे, अयोध्या प्रसाद, पागल दास, छत्रपति सिंह, पन्नालाल उपाध्याय, रामाशीष पाठक, रमाकांत पाठक, सखाराम, पुरुषोत्तम दास, पर्वत सिंह। (ग) उत्तर भारतीय गायक और वाद्यवादक :— अलाउद्दीन खान, मुस्ताक अली खान, विलायत खान, रविशंकर, अब्दुल हलीम जाफर, बलराम पाठक, निखिल बनर्जी, हफीज अली खान, अली अकबर खान, अमजद अली खान, वी, जी जोग, डी, के, दातार, एन राजम, हरि प्रसाद चौरसिया, पन्नालाल घोष, बिस्मिल्लाह खान, कृष्ण राव शंकर पंडित, मोगुबाई कुर्दीकर, केसर बाई केरकर, मल्लिकार्जुन मंसूर, अब्दुल करीम खान, फैयाज खान, भीमसेन जोशी, गंगूबाई हंगल, मालिनी राजुरकर, किशोरी अमोनकर, शोभा गुरदू, गिरिजा देवी, जसराज, कुमार गंधर्व, आमिर खान, शिव कुमार शर्मा, भजन सुपौरी। दक्षिण भारतीय तालवादक — पालघाट रघु, पालघाट मणि अय्यर, उमायलपुरम शिवरामन, विक्कू विनायक राम। नर्तक—अच्छन महाराज, लच्छू महाराज, सितारा देवी, गोपी कृष्ण, बिरजू महाराज, दुर्गा लाल, कनक रेले, संयुक्ता पाणिग्रही, गुरु बिपिन सिंह वेमपति चिन्ना सत्यम, यामिनी कृष्णमूर्ति, रमन कुट्टी नयर (घ) अवनद्य वाद्य के विकास के लिए संगीत नाटक अकादमी, दूरदर्शन, आकाशवाणी, आईसीसीआर, सीसीआरटी, आईटीसी—एसआरए का योगदान (ङ) उत्तर प्रदेश के प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव। इकाई— VIII तबला संगत के सिद्धांत (क) तबला संगत के सिद्धांत (ख) संगीत विद्याओं का मूलभूत ज्ञान तबला— संगत के सन्दर्भ में संगीत गायन — ध्रुपद, धमार, सादरा, बड़ा ख्याल छोटा ख्याल, तराना, टप्पा, ठुमरी, दादरा, चैती, कजरी, भजन, गजल, कव्वाली, सांगीतिक वाद्य विधायें — मसीतखानी गत, रजाखानी गत, विलंबित गत, द्रुत गत विभिन्न मात्राओं की तालों पर आधारित गतें एवं धुन। (ग) कथक: अमद, परन, टोडा, स्तुति परन, परमेलु।
--	---	---

परिशिष्ट-4 सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय विषयवार/आरक्षणवार रिक्तियों तथा दिव्यांगजन की चिन्हांकित उपश्रेणियों का विस्तृत विवरण										
क्र०सं०	विषय का नाम	रिक्त पदों की संख्या	अनारक्षित	अनु. जाति	अनु.ज. जाति	अ.पि. वर्ग	ई.डब्ल्यू. एस.	स्व. सं. से.	दिव्यांगजन	महिला
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	वनस्पति विज्ञान	79	33	16	03	20	07	01	03 (01—एल०वी०, 01—डी०, 01—ओ०एल०)	15
2	रसायन (Chemistry)	87	40	15	03	21	08	01	03 (01—बी०, 01—डी०, 01—डी०डब्ल्यू०)	17
3	वाणिज्य	157	64	31	05	42	15	03	06 (01—बी०, 01—एल०वी०, 01—एच०एच०, 01—ओ०ए०, 01—बी०ए०, 01—ए०ए०वी०)	31
4	चित्रकला (Drawing and Painting)	08	05	00	00	03	00	00	00	01
5	अर्थशास्त्र	61	30	09	02	14	06	01	02 (01—एल०वी०, 01—डी०डब्ल्यू०)	12
6	शिक्षाशास्त्र	14	08	02	00	03	01	00	00	02
7	अंग्रेजी	92	41	16	03	23	09	01	03 (01—एच०एच०, 01—ओ०ए०, 01—ओ०एल०)	18
8	भूगोल	46	23	08	00	11	04	00	01—ओ०ए०	09
9	हिन्दी	87	40	16	01	22	08	01	03 (01—बी०, 01—डी०, 01—ओ०ए०)	17
10	इतिहास	58	25	12	02	14	05	01	02 (01—एल०वी०, 01—ए०ए०वी०)	11
11	गृह विज्ञान	28	15	04	01	06	02	00	01—एच०एच०	05
12	गणित	79	24	20	02	26	07	01	03 (01—एल०वी०, 01—डी०, 01—डी०डब्ल्यू०)	15
13	सैन्य विज्ञान (रक्षा अध्ययन)	02	01	01	00	00	00	00	00	00
14	दर्शनशास्त्र	14	07	02	00	04	01	00	00	02
15	शारीरिक शिक्षा	59	27	11	00	16	05	01	02 (01—एल०वी०, 01—डी०)	11
16	भौतिक विज्ञान	60	28	12	01	13	06	01	02 (01—एच०एच०, 01—ओ०ए०)	12
17	राजनीति विज्ञान	57	27	09	01	15	05	01	02 (01—एल०वी०, 01—डी०)	11
18	मनोविज्ञान	31	14	06	00	08	03	00	01—बी०	06
19	संगीत गायन	06	06	00	00	00	00	00	00	01
20	संगीत वादन—सितार	04	02	01	00	01	00	00	00	00
21	संगीत वादन—तबला	04	03	01	00	00	00	00	00	00
22	संस्कृत	56	25	10	02	14	05	01	02 (01—एल०वी०, 01—ओ०एल०)	11
23	समाजशास्त्र	78	35	15	01	20	07	01	03 (01—बी०, 01—एच०एच०, 01—बी०ए०)	15
24	उर्दू	03	02	01	00	00	00	00	00	00
25	जन्तु विज्ञान (Zoology)	79	36	14	03	19	07	01	03 (01—एच०एच०, 01—एल०सी०, 01—ए०ए०वी०)	15
26	सांख्यिकी	02	02	00	00	00	00	00	00	00
27	कम्प्यूटर साइन्स	01	01	00	00	00	00	00	00	00
28	फारसी (पर्सियन)	01	01	00	00	00	00	00	00	00
	योग	1253	565	232	30	315	111	16	42	237
• दिव्यांगजन की ओ०ए०, बी०ए०, ओ०एल०, बी०, एल०वी०, डी०, एच०एच०, एल०सी०, डीडब्लू० तथा ए०ए०वी० चिन्हांकित उपश्रेणियां उपर्युक्त समस्त विषयों के लिए उभयनिष्ठ हैं।										